CEINTED BY STEDATSON GROSS.

्रशांत इ

রীশরভারে এপ দর্গনে অপ্রান্ত মুক্ত	Φ
রমবঙ(র পাতি গুজা	tr
কপ্রবের চেড্ন	ķ
ৰূপধনের ব্যোভিষ গেল ১ বেশে বাজবাদী গণ্য	30
রশবভার সংজ্ঞা	· 8
গগৈতে৷ উত্পে ৰূপনেৱেছ ব্ৰাক্ষরটো গ্ৰহন	2.76
अनमन्द्रक दशकिए। तमक्षेत्र निवस हिन्द्र	
केलार । घरत अन् कह	eyr.
कुलिया राष्ट्राच व सरीय दर्गक था।	. •
चेत्रकार भिज्ञ, उदामी कल्ड मानुस महक् पुरुषः	;- W
	· 5
শ্রেডাত বর্ণনা	t per
उसरकीर लिया कब के शक्ति व्यक्तिक वासी (अहत	۹.,
मीलकारस्य सर्व ७ है कि म जद्भवा । भिरा १८६०	
সালে ও ক্ষিয়ের ১এরিড: দাপন স্থিত দা	
भाग स अवन हिर्फ लगम	w
স্তেইতিকৈ স্ক্ৰ	a. :
মৃশ্বতির নিধান ওলান। এটাড়া ও ধনেশ গ্রহন । ১৮।	情步
লাগুৰুতের অভাবে ভদীয়াসনার ক্লাচার লাউজ্ঞ	4
নীল্কান্ত ও রস্বভীর ওকুজানের তত্ত্বে প্রার্থ	4.
পরম হংলের মেন্ড্ডারু বিষয় ১৯২৭	-9
पुंच मार्थ	50

के ले ल त्रा करत नगः।

खिका।

ক্রিত্র মৃত্যু পরিব্তিনি জগতে প্রায় অনেকেই।
ক্রিম্বশতঃ বালিকাদিগকে বিদ্যা শিক্ষার মৃলিভ্ত করেণ
পর হলাদি স্বশাবলী ভ্রাতে ভূমিতা না করিয়া কেবল
সুবণাবলা ভ্রাতে ভ্রিতা করিয়া সেই সুবণাসভাদিগকে বিবর্গলতা পাশে বদ্ধ করিতে বাহা হামেন। অর্থাত বর্ণ শক্ষর স্ক্রাদ্বের ন্য়াদক মইয়া অপূর্বর গব্দিছা করিবল ভাহা সক্ষ প্রকারে থকা করেন। ইহার মূলাছা স্বালিকারা শৈশবাবস্থার বিদ্যাভাগি বিরহে জবিদ্যা প্রতিপ্রিক বেবিনা ব্যক্তির মদেতে অবিদ্যা অর্থাত স্বীয় পতি পরিহিরি উপপত্তি প্রতি প্রতিষ্ঠিত করিয়া ব্যক্তিয়ার হিলাভাগি করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা ভরণা ভরণা নানা বর্ণালকার ভরণা ভরণা ভরণা না করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা ভরণা করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা তরণা বির্যালকার হলাকার করিয়া করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা তরণা করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা তরণা করিয়া মানা বর্ণালকার ভরণা তরণা করাই বুধগণের শ্রেয়ঃ। আর বিলক্ষণ উপলব্ধি হইতেছে যে বিদ্যাক্রপ রভাকর রভাকর অপেক্ষা শহসু গ্রহণ উৎকৃষ্টাকেননা রভাকরে মণি মুক্তা

क्षेरानानि विविध श्रम्मा द्रपुत शाह्य बदर मृक्ति नयुः কাদি নানা বিধ অমূল্য রত্নও আছে : কিন্ত বিদ্যারত্বাকরে অমূলা রত্ন বাতীত অমূলা রত্ন হি। আর রতাকরে অমৃত হলাহল উভয়েরি উদ্ভব্তইয়াছিল। কিন্তু বিদ্যা রভাকরে অমৃত ভিন্ন অন) উৎপন্ন কলাচ হইতে পারে নাা এবং রত্যকর হইতে উদ্ভ যে জ্যোতির্মধানারি চল্ল ওছো কড় ক কেবল বছে। ভাষ্য বিমালকে পায়। কিন্তু অহরহ নয় এবং তিনি দুই পক্ষাবলয়ী ও পকা পাতী। কিন্তু বিদ্যারভাকর ছইতে উদ্ভব যে জ্ঞানচল ডিনি বিনা পক্ষপাতে বাহাস্বান্তর্ড্ উভয় ভামশকেই चारत्र तिमारे करत्न अव? चामरणा त्रीम दाता काम-জুলা ছইমা ভত্তৰ মাৰ্ প্ৰাইতে ক্নৱণের হাদ্যাকাশে ৰিয়াজমান হতেন ৷ অভনাব এতাদৃশ যে দিলায়ণু ইছা প্রায়ত্ত দিগকে হঞ্চিত করিয়া যে আপনারা সভিত করণে राष्ट्रिक हेरा ८७ कि किशिय मराख सरा म'। कार १ करण ভাগেদ্রপেয় বিষয় : «কেননা হথায় বিশাভাগ ভর্ষায় ্<u>ক্সল জ্ঞানের আন্তািব, অভন্য হে বিয়েক বাছক</u> र्विक्रम ११ छ। १९ मा विरक्षत्र निरंद हमात्र अधीरन ७ कशीम् পাণিপুট পুরবের নিবেদন করিভেছে যে উক্ত থালিক পিগকে দিয়া শিকায় নিযুক্ত করিতে যুক্তি যুক্ত ক্টন, क्षिन्। इन्छ राणिकातः विष्याविधी इन्ट्रेस्स भनगास्मादम শতিব্রতা হইয়া পর্য সথে পর্ম পরাৎপর গাব্যাগর প্ৰাপ্ত হ'ইছে পারিষেন। যেহেতৃক ৰামীর প্রতি প্রতি भागन रहेल. सन्द शामीत थांचे श्रीडि रहर्मि महातन। अ विचएत्रत छेवाष्ट्रत अना अ रेवन विनिध जूक्ष গণের অনুমত্যানুধারে নামা শক্তি আকর্ষণ পুরংধর এই

ভূমিকা।

প্রান্ত্র স্থাপ পুরাণিক নামক পুর প্রকাশ করি তেছে।
বার রসবাজী নামী নিরার বিদ্যাবাজী পুরার বিদ্যাবাজী হইর।
পাতিকপ কপার শালুর দৃঢ় বিড়ারনা হইতে সভীপ্র
পর্মোজীল করিরা অপতি সহিতে তালু জানের হুত্তে মভীপ্র
হুইলেন। বিদ্যোৎশাহী বৃদ্দেরা এই গুল্পের বর্গ বিন্যালকের বিনাশ পোনে রোধ যুক্ত না হইয়া নীরে ত্যাগালির বিনাশ পোনে রোধ যুক্ত না হইয়া নীরে ত্যাগালির বিনাশ পোনার রোধ যুক্ত না হুইয়া নীরে ত্যাগালির বিনাশ করিব জারির প্রকাশ করিব করণক ওণ্ডাহণ
করিলে মহতের মহন্ত্র মহামন্ত্রেল সুক্রহাশ পারিবেক
বিনিরিক জারনেতি:

, 'BE TR' 1'

ं लहातः। निय दह मिक्रमानम कामन नियान । ८३८म , जग সোভিষ্য জগত অধান।। কভি সৃতি অনুমতি यनुक्रम करत्र। अकस्यद ऋविष्ठीत्र अधिन अश्मारत ।। रेनडाहिक रेवहाहिक भौगारमा द्वपारम् । माथ शास्त्रक मत्र नद्रा तमहे फिल्ड । नामा कत्नामावाम नामा माङ মতে। নানা স্থানে ৰাক্য ভালে তব কল্পনাতে। পৌরাস পুরান থেদ ওকপ গঠাবে। কভাভতে বাক্যাল্ল মতের भक्रेरन ॥ विविध रेनविक्षा वाना तथा श्रेष्ट व्यक्ति । मान मुख्य धन भूख्य छ। इह तनत्त्व मुक्ति।। अवज्ञाति घरहे भरहे রটে বটে দার। একপে ওরপ তব স্বরূপ দাকার।। ডঙ্ বেন্ড) চিত্তে কিন্তু, নিন্ত) নিয়োকার। নিলাপ্ত স্থাত সাথে ैन छ। माडापमात ॥ न छ। तक स्वयं वापि डिसन थकाम । ক্পায় নকলি পার সৃষ্টি হিতি নাশ।। ক্লিডাপ্তেজ মত্ত । ধম এই পঞ্চতে। চেতনাচেতন হয় ভোমার কুপা-তে।। আদিতানি আদি নবগৃহ যারে কয়। তে। মার चाळात्र मत्व श्रीष्ठ करमंत्रत्रः। अश्रित्री कामि नक्षत्र उद षाळाधीतः। निहृत्य मारभन कार्य पाकिश ननत्न ॥ ८० । বিগ্রাসর তব অনুষয়া বলে। অচল সচল সহ মহীওল

इटल ।। विश्व लेका दशकु मूर्व दम्कू बंकु इसे। कर एक् कारण जरत शरिवार्ड हुए। कहा कहाकि वर्ष कहा অর্ড। রাশী পক্ষ ক্লিন্যাম কর্ড পর্ব আছি।। कोके। कमा धनुगम दिशन व्यक्ति। शहाहां करत कर আক্রা করে সৃতি।৷ কীটাদি প**তন যক্ষ রক্ষ পক্ষ নর্ক।**। दागर किमत नत्र दश्वण शक्का । आत सूमि शक् आपि গত মহাজন। তোমার কুপায় দবে বুবের ভাজন।। তুব कर अका नक अध्योषध्या । देशमास जैनिक स्वामि वीर कम कृत्म ॥ कृष वाषि। भष सबी समाविक्यक । রক্ষেতে ভরক ভার হয় কবিরভা। তে ধলে বারুতে করি मक्शान करवार छत दथाना वास्तादहरक सहर में छ केरहें।। ल्हामात महिमा लेख राष्ट्र समहत्त्र एक मिर्के इहेशा में स लाहे लाग कारता। **त्य**्वाला स्वयम कृषि तिथि माण एट्ट । ए। नम् कान्स्टम रमयः **एक स्थानस्ट** अभ्य**ेखन** ৰণতের বংগক ব্যাপার। ইহাতে কেবল তব করুল अधात ।। मर्च मृताशातः अव्यन्तिः व्यावा पूरि । व्यक्ष মুগুলাকার সর্বভূত স্বামী।। আমি সূত্রতি কি এর্থিব বর্ণ हाइडी उन्दर्भा द्विष्ट दह वर्षा वर्ष बोहद्वनाइ ११ विकास

প্রার্ডঃ।

क्रिक्सी। श्रीकांत मेशाई शास, सक्तिक अनेशास, अवबंदी नारम डार्का डांत्र । जेसत हेम्हाई बना। भाइण विदेशांक्रश्रका, जीशुक्रश्रव खानरम जलाई।। हिन्स् सम्बर्गः कथा, वृद्धि शशिवाज्ञवाना, जाली मिर्क विद्रानिवाबेंगे. ं उपनि छोटक विभाविकी, धटन ८७६व विभाविकी, भीम क्या वास क्रम रूपे।। क्रमके द्वीरकात द्वीरत, संरथ शर्म प्रस टिका, मीनकां डॉशांद गहार्छ। डॉशांटर नहत करि. সমর্শিয়া যুকুমারী, রাজ্যভোগে রত প্রকাণতি : কন্যা: ুনাম রসবতী, প**ভিত্রতা** স্বাদ্বী স্থী, গা**তি** মতি সুডি शिष्टि शोह । धार्माह्य काउँ।लिका, शाहीरा ब्रांकशानिका. বিজ্লিকা প্রায় শোভাপায়।। একেড স্বর্ণ পুরী দিওী इंड बर्लामति, मुदर्व विवर्ग दर्शर्गति । वर्ग यनि यह दशक, उत्य वर्ग मविद्रामधः वर्षादेखं वर्गमा वर्षे हता। इ.मं) स्पूर्ण तथा भीष्टा, कुनम कानमा (भाष्टा, शतन विज्ञाप नक्तरण । प्रश्वार कामाज्ञक, भूरक्षर मध्जक, कृष्क्ष प्रम महम कामा ংশ। প্রভাবে প্রকল্প করে, পারার পদত করে লভাঙ্গ শোভিতা শুলিশাৰা: ধেন মাতজ আভঙে, गाउमी बांधमी बद्ध, जात हरू निक छत्र शांधा । एउद एक नकल, खिन खरत्र हेलर, प्रभव्य शदापि कि का মৰ্ম্য কিবা ভার, গৰবাহ শোভা পায়, ছানে হয় পুৰিভ নাশিক। দীর্ঘ দক্ষের উপরে, পক্ষাভারে শক্ষা করে, লক্ষাই शक्य महनाहत । श्रेत्रकृत कृति अधि, खामरम शाहरू भी छ,

म् **मकान्स्रम् स्थानस्**रा

म्लानिक मुधार्म भट । क्लिस्स्ट मशेष्ट्यः किता मूमि-মল জল, চতুজাড় দ্বাতে বিকৰি ট শৈৱাল ছটাছ मिरीहर क्रामाधिमी उपशुद्ध कारी नामा क्रमण विस्तिनी थीन जाव विवायरत, विवायत्र मान करत. विकेशिक इश नवद्रातः । जानू कन् कन्यानुकनकति । छाङ् नितीक्त्यः नव। ्रम्भ-नृष्क्रम् एवरमा ॥ ज्यो। कसमिनी आक्रिय र्यन्साम .अ.मृत्रम्मः दिना व्यवारमधान्यसम्बुधनामु<mark>द्रमः । त्रीमानमा स्री</mark>र्वेश म नि. अर्थान्त अर्विकारण कि को हे खोगा करि का में खाने खाला। ed 44.40 (1) (46), 这腰间, 更更明 (1) (1) (1) (1) (1) 可見可可以是其中國新行物、國際人物風、春天原園項目多學院 ५५ दर्भाकः व्यक्ति सा स्विति । क्या क्राक्ष्मस्वस्थातः क्रान िमा ह्याम , स्टाम पटकोन बदल अका । दक्कोस निर्मा । विभा लोक्स क्रिक्षिक रामचाम जालिक्सेन विकास ह कार्य क्का मालाक्ष्य । भिन्नाम स्वतिने क्षाचार स्वत्रप्राक्त कार्या । क्षा প্রাথে সজাব নাছি ভাই। প্রতির্ভিত্ত অসম্বর্জ, আলকে জ্ঞান পলে, কিয়েলাচুল্মভাবিদা কেন্ডা প্ৰায় 🕦 গাল্লা-राज हैंकर। दला कर फीकराक घटना रक्षाहरू, अशोन हैर राज ं कार-------- ग्रमप्रमुख्य ७८%, प्रत्मक्षेत्रीकारमुख्य भीतालाक ি লে প্রাস বংর চাই এ মরজা নাকি ক্রিতে যেখন্ড গে ছব্জ १८०७) कारा आहर का हिला विधाला के रहासीर अहिनार २ कर्ष करण: क्वाली कृष् वस्त्र व्यवस्थित कर्णातिहास न e হা কেছা। পাইশ্বার পি জেছান সম্ভালে **করে**য়া অ**কুবে** : ন্স্থারি কেরি ভাষা, সকরা কর্মজ্যুদ্রা**রু**দ্ভুক্ত জ্ঞান্তিক। আৰা কলো ৷ চারি,পান্থে কবনাক্ষ্ম,কান্তিগাটাকি সুক্ষয়, न्यांतिक अभूददर्भ ईर्नामण्डाः, भूमार्क्क्यंभारे, स्म क्र भूगाता छार, अक्तिश छाजुरह विक्रिया। दाक्रम दन ^{লব্ৰ}বের, ১ন-পাত নাছি করে, মান্স কাসার ব্যাব্য

अति । विश्वासीय निर्वाक्तात्म, एक एक एक एक प्रमाणि असे प्राप्ति । वस्त्र के प्राप्ति । वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त्र वस्त वस्त वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त

(ते.रड) र माल क्षण (४ क्षण) (४ क्षण) (

विश्वार्ते । अंदरका मदमान्य, वाच मुन्य न् व्यु के म्हान खान विश्वारक । मुन्य अस् अस्तान वाद कार स्वार स्वार खान कि विश्वारक । मुन्य अस् अस्तान वाद कार स्वार स्वार खाने खाने कार प्रार स्वार स्वार खाने खाने कार स्वार स्वार स्वार खाने खाने खाने स्वार खाने स्वार स

पर्यंत काल, क्यू यून् शास काम ब्योगीतिकृषुक मृत्र व्यास लम्म नाथु मुष्ठ खर्क 'उद्दि ज्या व्यानिकेम किएउ। यस्रक्त শরাসনে, দক্ষ ছত্য একে বুলুর নাছি। পালে ফরাইতে। उटन करवा नवा कर, नूटना किए करा, यूथ शत्य क्रमा रेष्ट्रं न में। बेब्रु म' न खुन चाँ। बिं, ख्यान ने चुना द्वाव । विविद्य कि निर्वार्गकेश्वर (अंबर्गकेनि कि कंडराम्बर, विन् टमरहन क बर्क व्हान वृक्ष वैभि बानिका स्माकिछ।" तैकि। किन्द्रत रमेंगे, गर्यक्राकामधितम् कतो, न्यूके **विराहः कराने, तक्रि**।। तिमृत्यक हिन्तु सर्वातः च्याग्र दयनः विक् सम्बद्धः अकलात श्रीष्टिक्षः व्यक्ति । क्रिक्ट्रेया लग्न्छे श्रीतः क्रिक्सम् कार्राः नाहिस्त, चौकारत धार्कारत महिर् 🙀 द्विया गरिन्द्रस्पत् ইয়াবে, ভাষারে কে রণ্ড করে, কঠ যের, কঠণালে रमिक । कर्षि देखें ते। एक्सकार्ट्स, श्रद्धानत इन्द्रकारत, वा बाह्य र দেখা আৰ্থি শা সালে করি করিকুছা, জয় ছেডু কুচকুছা, शक्षि तक जाम रेमार्जिनकार्ते । जरश वित्तरत माणियः बस्म अकीरंग्र कम्मु, कंप्रय किंका मेरशियम । बीसी कि स्विधान देवर **एक्न कर्मान उ**ठ्ठा कर्ती बड़ करि वेरिवंश गा। अयस लेकाक एएती पतानां उदि जी भीतते, समुद्री भि । त बुंकि हैं कि 🖟 बरहा दक्षम दन व्यासम्बद्ध बरहा विकेश हुए लाइ, करने 🗨 कें सेने के सिरोरद्वा विवनी देशांशान मार्ट्स, अधिशा संशेष ्री कोर्तिक प्रशिक्ष किन्तु, करत 🛒 करे वन नाम्र्यक, · कृष्णितलेर एक. **डिक्रेड** संभाध अक्षमाद्र । सृष्ट्रीय**ः व**रस प्याः, वारलंग कवनि यथः, भभाक हहेन वदाखाम। द्रमव जी वहाँकि लाँकि, फारतम निष्य खब्दक, बहै, मासू ज फि प्रद्राप्ति ित्महे कना शंक्षे बाही, देखा केल शंकि हति. নামি প্রতি ইদারার প্রক্তি: পণ্ডিত মণের বাকা, वमात्रा महिए मधा, थाकूक या मध्यात उद्दिश्चिम अखार য়াছাৰ খাছা; **তে প্ৰিতে গীলোক্ত**, টোডেন্ড স্থান মা শীল্লাক্ষয়ালি

প্রত্য বিশ্বস্থিত ব্রজে ত্রের বিশ্বস্থা হৃত্রিকাট করের তারিকাটির করে কর্পক স্থান্ত নাজের প্রক্রিকাট করে কর্পক স্থান্ত নাজের প্রক্রিকাশ করিব করে কর্পক স্থান্ত নাজের প্রক্রিকাশ করিব করে করেন করেন করিব করেন করিব করেন করিব প্রাথীর প্রাথনিত করেন করিব নাজের এ প্রাথীর প্রাথনিত করেন

মতার পতি প্রা

া বেশ্বিধান উপাৰোশন কৰ্ণাস্থা কান্ধা, হয়া জিলত লাভক কৰিছিল কিছিল কৰি প্ৰেক আনন্ধ কান্ধান্ত বল ক্ষেত্ৰ কৰি প্ৰেক আনন্ধ কান্ধান্ত বল ক্ষেত্ৰ হল কৰি কান্ধান্ত কান্ধান্ত কৰি কান্ধান্ত কৰ

অনন্ধ। দেদীপা কুল প্রদীপ সক্ষেত্রীপ কালে আর্ডি সমানায় মঞু যুক্ত ম্ইলিন। ভাষাতে নতীয় रहेरए हा । जरुर श्रदर्शन एकान धनर नामलामें कर महानारी ক্ষিতে হট্য এরার' নীরপ্রায়া ছত্ত্র ক্ষালয়ারাত নর্মণ क्तिराष्ट्राष्ट्रं । अ । का किमारमा पादवशवाकी शब्देशः । कृतिहास्ट्रासः । ामायम का अध्यास म्हेरणाह ।

- अनस्त्र- श्रृत्वाहुख न्द्रकः अस्त्री भूनाकः न्द्रनी विनि किन को हो दिसी को विने का विमी बाद कम्बा किनी अधि (मार्गाभिनी तकिमी जिल्हा मिकिनी महिलद्भार ज्यान मान्। धगटन कालरकरभ शांकिरलय : 😁

সাধ্সুরতর, চেডম্ 📝 🔻

- পরার। হেঝারুলে কপ্রপ্রপাইমা চেক্সুন-ক্ষে বাদ কোন্তা বেল কামিনী রতন ১৮:৩৫র কেন্দ্র আরু ১৯৯৯ कि भूगोन क्रुत्त । . नहाइन (मधिरका शाहत ख्राहत ए के क्या ।। : নৈর্বাহন আনে কারের করে এক পুরুষদর ক্রান্ত। হৈন বুকি এই পার দূলে নারে ভালা দ জুরুই কলে, নর স্থাইটে নাষ্ট্ৰত : আহেলাখ **অনু**ৰ্বা ৰপু তকি বিপন্নতি ন লৰ্ড্**ৰ**প ক্রপালল করিয়া চিন্তুন ্ আশাক্রণ ভরীতে করে ভূরিতে भुजन्। भरष् तरम परनर कारिया ७४न। र कारिया ७४न। ८८० कतिन शारम । ष्टिकी जाचि क्य शुक्षी कच्छ स्मरन প্ররে। কি ছাটা এফাটার ঘটা সামিব। উপরে।। পঞ্চী রাম পরিস্থান মহাবেরে পান। নিক্ত খাম পরিছুরি शंक नाम रान । बाकवाणि निक्छे छ , दर् भव वस्त्रीत। उनारमध्य व्यवस्थान हता इक्नेम कि ।।, बहन देवाया यूप्ती भागि त्यंत्री जाकुरानी । (अस्न निस्त्र तक्त्र नाट्य नव দেখি স্থানি। তোমাদের ভাল চিন্তা সন্ধা মরকান। কজাদের কর্ম কার্যা-কিকপ শক্ষণ।৷ পান, দেখি কৃষ্টি পাল স্বভাস্কলেণি। পূলাদির ভোগান্ডার সার, দার

কানি। রাজ্যপাঁর দ্রিল রাদ্মা জিলি। গৃহ হলে . শীয় সভা জ্যো**ভিষেত্ত দ্বি**য়া এই বশ্লালৰ আনিকান্ত্ৰ ८८८म । अवसा कविशा खरम स्टिशा । अधिकल जिल्ह ু সন্তঃ সূত গ্ৰন্থানন। হয়ে টিলেন আগেই। িং রে করিল। क्षित्रभागः कार्णालामः एकपुरुष कार कार लिक करत िक कामोधित वात । भित्रमारम कामो विश्व विश्व टालाकाचाः । च्यनि छान्या लाजी लगाह ५ तेरा लाजाराः । नुस् ণ বিষয় লগত বিশ্বি কি দুৰ্ঘাতি ভাৱে। সামাৰ বিষ্ঠা ভিন্ত, ৮ঈ • 7年上17、1 和政语性语言辩解 物研 好好,好好到一句。然后 লানে ^{বিজ্}ড হাজ্যু**ড় (চলকেরে) । কেবিলার** ১৯৮১ চ বলে স্লাকুল কু**ক্ষিল মন্ত্র**র প্রভাগে, জনস্ব । ्रेर्केड बद्रक रहरण विभाग भाग मार १ १ । ११४० । ५ ० ां भारता के अनी विकास । स्वासी, रिट्रा के के के अलि के स्वीतिकार ि (५०) - १५७**२)घ अर्शक**्षे क्षाक्रमा व रच । - सम्प्राप्त (1) (1) (1) 項 磁维/双键() 新斯斯斯 电控盘性 机电机 从不然 医鼠科 人名葡格特克特克姆德加斯斯特尔 不看 经一点货币 不必 かいけ 何から 我都制工 同れて存在でき 一名 (4) (4) (4) · 1 - 1 - 1 \$ \$ 像精明开发 | 阿拉 网络 网络 化灰 (1) (1) (1) (1) र भूते ए । १८११मा ५५ ४५ - अस्तान ४१५ स्ट्रांस करी 🍦 ती १७ मे ५ १ व मेहत मोणन कर्या मार्च महिला । शहर भारत रीज अमेर का किस । कर्मा करता । १४० (०) 倒的 可以 1000 鎮壓 神聖 220 職 情知的 4 2 2 多 4 2 , वर्णचाद्रा **नक (क्राक्ष्यम**् क्रियाम् पुरस्य प्राप्त क्र किन्द्री । अस्तिविद्याल एकपाड सम्मापन रहे । १ हेर्ने प्राप्त ं भूक अस्तर विक्रिकार स्टब्स् ॥ विकास वन्नवध्यः । व भगानि व हो । अधिरासस्य सम्बद्धिक प्रदास्त्र ५५ । उत्हाद पर्य १७ विकास माहिता सिक्त स्टब्स कर राजा प्राप्तकर

त्मानिक । अस् १० जान कान गरनरत व्यक्ति । कीत्र स्थाता विश्व (गा. ११ व नीत । क्रमेरन विश्व (गा. ११ व नीत ।) क्रमेरन विश्व (गास विश्व (गास ११ विश्व (गास ११ विश्व विष्ठ विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व

শ্ৰক্তি :

লবালি সমূদ কালে ভাষ্টাৰ লে মারুরয় ৰূপ প্ৰিয়েক্ষণে কাৰণৰ নিৰ্ভন্নতেও আন সং ইছেও १४ र म शिक्षिक अने जिल्ला कि के दशक्त का श्रीकृत्य के द्वारा अने कि विकास के स्वाप्त राम प्रकल्प प्रमुख्य र हर्ने प्रीत् । स्व प्यूर इसकार पे स्वप भागा । प्रीप नुसर्व गाउँ व लुक्ताव के करा है। 医凯克二氏 化二硫酸钠矿 化环二克烯二甲胺 變化 不不 化金金属 T. P. C. E. K. M. M. C. E. C. L. (城市) (城市) (城市) (城市) 1.两个人,但是自由人的发生,并不是**以增强的**最大的。 以上**对**的 翻环 断头 人名英克克 有意大思专业等人 机脱头 रक्षाको पर्वास्थल प्राप्ता । **१**९० का कार्या go to the first the control of the cather and the second ों केले. १८३० - ५५१८८ प्रेडल्ड 🛒 🖽 🚓 🤫 THE REPORT OF THE WAR WAS A SECOND OF THE WAR WAS A THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH 简。 主大规则工物化工业机构燃料的 克曼山河 经报酬 জন প্রজ্ঞালে বন্ধীর স্থলাভ্রাত সুধালারে পদের ৮ **রঙ্** রাল্টার সাম্প্র প্রতিষ্ঠান সমূত মূল ক্তিত । পরার্থ ९७८म - इ.स.स. हिम्मोल मुक्त सङ्गार - रा कारण र स्थान अस्त्रम् तर १ । वहराज ५ **त्रि ८**५५५ सम्बन्धः । 🗀 विदश्य 化铁 露起波 (- 音信(不 不時 所有 西班里语化) 参数,完全 化面配

মুখ দরিত আকেট প্রচন্ত্র লবেদ ভার্তিল যোগে উ ্ৰশ্সিষ্ঠ দু দিলোপ কলোল হৈ চোলনে যে বছৰে ব ভাষ্ট अनामि अलाहाकाम फ्रांपियी क्षेत्रेश महरून, नः शांकिए ७८४। सन्मा बर्धन पहलेश गरिएंड तमाधान ४ मा ग्रीकः। িছে। বিষয়ের নিনিধনার অগ্য আরির্ভাগ ১১ ১৯১১ ান বীচার পা নামের প্রাক্ত পরে মুক্তা রাচা লাভি र्वकान । इत्र त्यारा भृतिकात्र योग करणा खरणाहे कि हो। एक । ल. लाह इस कड़े संभावानीति क्रिके प्रकृति शक्ति शासीत करें। एक का भूतिका पूर्व कि व्यक्तियों । दशक्कि व्यक्ति - अंद्र रहेक २ (२०१८) हार कारणा गाउँ । विराह्णी - गानी 人名斯特 人名约 人名英格兰人西荷克克特 医埃纳斯氏性腱神经炎 网络人 TO THE RESERVE OF THE PROPERTY ुर्व । किंक्स प्राप्ती कर्तु । खान्त व क्रिक्स के कालामित सुद्धा লে।বিজ্ঞান্ত। আ ফুলিখ্ প্ৰেলি পেন্ট্ৰিড ক'লীয়েকে। সংগণ ওক · 11 对 、 15 元 网络阿拉伯 化结构 产物研究院 一個 新歌作 (b) (१९९८) - तम् । तद्वर प्रक्रमः । अर्थानम्बरम्भः वर्षे THE THE MEN GARGER CHAPTER LETTER IN THE MERCH MICH ্য দাস্যত্ত প্রত্তি প্রতিষ্ঠ করিব সংক্রিক THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PARTY 「いむ」が、いいには「こうな」をできるとは、は、自然でいる。所述。 ८ भ - । कर्दर इस इंजारिक विकासको कार्यश्रास क्रांस · 图16 数据实施 明显, 6 知, 春 田東 (2) 经金额产额行行款产品信息 के प्रथा, विकास किन्द्रा किला के कार होता है। कि कि के प्रथा दिला के शिर्ट देश निष्ठ केंकर और एरिक काई ए है। एन को तरफ भौतिस । का क्रबंद अलेकिन अंदर्श है आलेकिन किराय क्षा भारत्ये ५ ६ । असम माष्ट्र इक मान्य, व ५ छ। ६, उ कारहास नारकात्र कार वेस किए सरहा के, भी दहरह है। १३,३४

एक गहेला । एथन कहें। कुछ लख ७७ ६१७ ४७ ाहन्द्र कन्। पुन्ति ए वाधा हत्त्व समञ्जन दिशहत्व दिशहरी समन िया क्राह्म मृत्य घटक कालपाक प्रक्रिएकर कामी खाउनिय ी. ११-७१भाग लेलाउनमा कविस्तान । ध्यासह भीच मणन ে বিষয়ে মন্ত্র ভারলোকন করিয়। সংহারে, ভাক। আভাগে আলান হরিলেন। যে হে প্রভ্যি জানার ে, এত। সুনিষ্ণ করিলে এজনা আমি শেষার সিদ্ধি দাক মান্ত দিলাম। তার জানি কৈলাশ পর্যন্ত জাপেকা। एक (min क्षांना) यह शक्या भी का किसाने ° कड़े । हेक ५ व एक तर्मा क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्ष्मिल क्ष्मिक क्षमित्र क्षमिल हो। स्व এ সাক্ষাস্থায় বংশী বিজেজ দুৱিকরৰ স্থিতি ও জাত ১০ खेळार ते राक्तांद इ.च.च.६ केंग्य पर च. साम श्री १००० एवं च. स्था च. साम स्थाप একান অংশীর উপাদনাল কোলা পুর্বিভিন্ন ১, নাহিবন্দ এছ स्वकाष्ट **कृषि मस**रक्षात्र श्वा । दक्षात्रम् का नाद्य । आ मुद्रा है। के हिंदेश 💎 🖟 कर श्राम, देखा अलापा अलापा अला अलापा कारत । भरेतम् १ स्टामान्त्रः ए। ११ अतिहरूरः अन्यः दलकान्त বাল্ল হতাৰ বছল, এই পিলাই 🕟 ্লুইন্সেট ভাটে ইভাইনক गर्नेक्स् विकित् ए प्रमाण । एक्स् महाभूति । व लाहित् भिक्ता र अपने अपने प्रशास कारण के प्रशास 二方面一在 1 所於 西洲河岸沿 计划型类型设计计划计算 "不是,我们 राज महे कहा के रा एएस हो कि ह

ভাৰত কোন্ত্ৰ নেশাৰ বেশে সংগ্ৰাজীয়ত কাম্পান

্টার । গণেশের গণনাগু অনুষ্ঠান হ'ব। সেইরপ গণগর সাটেরও ডাড । সোবণা হউল রাজ্যে। স্লাটার্মোর নি । এনমেরে পাইল বার্ডা রাজা শুণরাম ।। স্নুচরে স্থাদ। দিশা জানাহে। আনিয়া । বাহির দেওগানে রাজা कि संदित्य विक्षा । जुनुकि नारण्यात मन्त्री आह वस्तुन्त । জাহার্নে। ক্ষিত হয়ে ত্রিল তথম। রাজ আর্কা মন্ত্র-কেণ্ডে 🔗 জপন্স ৷ - অভি পান্তি মানা অন্ধারাকে স্ব 到表: 生存期 樂幣 (內)69 奉令 門間(B)76 安全 (新月間 বংলামত গ্ৰহণ এবছ।। বন্তক সপ্তশলা শক্তিক। এবং ১। গ্ৰহা সৰ্ব্যয় সাসু সাধা কটিছাতি।। প্ৰবৃত্ত আপান কাল। किंदिर अपना । ११मा मान किंदा कि केट्रिकेट कर्या कार । । त्रीकरण घटन महित्रतः । सन्दर्भ ५ हरा । क्रि মান । নিৰ্ভাগ ক্ষান্ত স্থাবেৰ প্ৰাক্ষা আলি পান্ধ লক। 排作通行 经工工部 開始 机工作物 二氯化氢氢矿 遊失人士 वास राजीते । तम ४ १ , तसक देनिताचा स्मादराख्य समुद्र १८ । १८६, ७ कर्नाप अन्य (सर्वे क्वाकिश्या) अन्य प्राप्तिक स्थिति स्था (2016) 1916年 1916年 新维克斯特 1916年 1916 不过强烈的人称使调节费 网络自动 在前门上 满口香酸矿物 人名 નું લેક કે જે જે છે. જે જિલ્લાના માટે કે મુ 医最低性性性坏坏 经收益 电影影响 人名英奇 经现代 医皮肤 化二丁烷 भूति । त्रात्राम्यक्, द्वार्याः क्रम्यं, दुभः हरः । १ ५ artimotical and the state of the confidence of the পান কলে। ১ । জনগগৈ আন্টেশ্ড প্রকারের চেল্লার रामेजार - १ । ६ आहार में भटन जिल्ले १ वर्ष रायस हदः छक्ता वर्षे । ,विक्राक्षत्रस्य प्रमापः विद्याः **म**ान्यञ् नद्दर राज्य र ज्या र । व्यक्तिक सम्बद्धर काली ब्रेट र दहरे और ए 微微性 经产品公司 安徽 电超点 人名英国特别 化二氯 异化 भूतक । अन्तिवास कार्य एवं कर्यासाथ गर्भ ক্রিছে ব্যান মধ্যকলে মাপে ১ জ্বাপ ম্যেক্ত হা , তানা ভ বাথিয়া বেলাড় করে <mark>বলে গগ্ন সারে চাহিন্</mark> 💢 🚓

स्विद्ध अ.व कत स्क्रीकात । कार्य किसि स्टलीहर পাৰ প্রস্কার ।। অধ্য রাবে এবে যদি জামান্ত। ব नमा । भाषास तल फिटन कि उस्म । अने वाका है भा । यह प्रमुखार । आंधारमार प्रदेश । गुन पुर कर्मारा। न अपने जाना पत्न जो नांचार कोना। जारणा **ख्य**ि স্তুত প্রারেম আশান আলান বলেন আনি দেখিলাম १८० । श्रीकात कार्या छ। जाप। छानिया छत्रया । जिलिएक काशास भारत कम नरहा वंशा। टक्स्मा एउटा वालग अही ा रह जन जा। अवश कुभन रहरी करिया गुरुत লতা নেছে আৰু যেন পালত রামলা । সঞ্জীয়ে যাসেন विच अपनिदेश ब्रह्म विद्यार उन्दर्भ । काल उन् कोला क्रिकेशका । बाद्ध या । भारत १०० ५ छ। ५ छ। ाद । कराव्यक्ति वाकेटरर नम करानराज अब्रुद्ध ।। । (अस्तानन्त क रहारा । द्राप्त भागा कहा । अभावि किर्माण श्राम कर्य हार्य अहर बहा के लगहिर प्रशासन है। खेळह का १८% हर होतह अर्थ लगा (१८%) निर्देश मा अर्थ तम् अर्थ अर्थ अर्थ । ुँदरास् का कारत दक्षा । "ध्वीरकत रिक्रिया । आकारत असा भाक्त गोक्काणम तिथि। आखनाराग्य २ कि. यापञ्च सम्बद्ध पार्वाक अहमस मामिकार नेता । मृत्र कर्ष स**ार्व एएउ** करना अर्था७ । उपस्थित भी का भा कह मुश्कि । क्षांक् यालाबा और निष्य नृतिधार । क बार्य विभक्ति र्भ है के विवासार ।। उस रखा विशादक मही एउ ह्यांक লা স্বাং উক্ত দল্লা করে জন্ম মহাশাল্লা **এইকপ** মান্ तिम १८ । मध्यारक । आधारमा विषाय करव पिया उष्ट-ওন ৷ আন্ত লাগ্রে বাজা ছট্যাম্মান। বংসন্ সভার

हारक जरप बन्धानन ।। वयकार्या निकानी करेल अक्ष कतः मध्यक्षायं व्यवस्थातः यात्र भागीनः १ कामा काम। कृति मरत महिसीयत करा। है। कृत्रार्थी कहा ५० रहति भव्यापद्र । व्याधार्यः भावितः। महिकद्रिम् अनुकाः আল; ভার ক্ষামভারে হবে ভাগ্যন। প্রনি রাপ্। হস্ত च्या श्वामल शहरहा के हात्र श्वामत काञ्च सामः ard . Troiserd atm signific kining with their ब्दार का बाहिल खीएक । अहा रू करण हाली हा का भारते । 'उत्तर्भ व्यक्तराम बुद्ध क्रांति क्यांत्रिक ।। इस्प्राध ीं केर्र वन प्रार्थ पृतिष्ठाः सन्दर्श निवारेहरू आह हेर्वारितः । जारक ग्राप्त राख का अभव कार । कहि भित्नी करि स्वार्गिक वस्ता खबुल हेसारा वर्ष कर लक्षात राज्य कर्तुम क्षात्र १४५ । सम्बन्ध्य १५४० । ५० र भारते हैं। तम राज कि एकि राज्य महरू है। रही र करेंदर अप अप रेसर अस्तर्श के किया है हैं है अर्थ रीक्ष के हैं। बुदेखार है के कि कि दिश्च के हैं है बिद्धाचन असिकार्डी हम आरमी एवर्बर राजनिक धनमा करदे पूर्वक छनस्य । अधिकेश भरेनन युष्ट् । . প্রধান্তরে। মারির প্রচের হয় আনিন্দি, মান। ও চার্ল 胡椒油和 配理性描绘器 古中国的 医性原丛 有性质点 भित्रे तृत्तामाः विनाकत्या कृताक्षां स १८८ सर स्थाः, । লেখন, প্ৰবংগতে কতে বিবেছ ও জ্মানে স্কালী কুও वननी क्षामान क्षरे की बदा कर राज राज राज कारणा महिनीशन कर काषाकर, सार १८०५ गको खरू भाकाचे बलना, दसाना या संबोधान सहस्त

ाश मधी। मध्या कवि लेखा भिन्ने भगावत प्रक्रिति। १९७४ १३ कवत १९७६। स्ट्रमाथ वस्ता स्ट्रमाथ खार्चाक १९०, १४म किमान्य ॥

🖖 त्रभवाजीत मस्बर्ध 🖂 🕟 🔸 🔻 🖭

তিনালী সম্ভাবেশ সহত্যী, কাছতিকা তথ্য কালি।

নিন্দান লিকাল নিমান বিনাল, শক্ষী

কালালাই, বালি দিল নিমান বিনাল দিবাল ভাষা

কালালাই জাল নিমান বিনাল দিবাল ভাষা

কালালাই জাল কালালাই জাল কালালাই জাল

কালালাই কালালাই জালালাই জালালাই জালালাই জালালাই

কালালাই কালালাই, ইমিল স্থানি কালালাই জালালাই

কালালাই কালালাই, ইমিল স্থানি কালালাই কালালাই

কালালাই কালালাই, ইমিল স্থানি কালালাই কালালাই

কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই

কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই কালালাই

কালালাই কালাল

বৃদ্ধ সর্বাহ্ন হত্ত্ব ক্রান্ত নার লালায়ে। আন্তর্ভান ।

क्षा । श्रीक्षात्व द्राष्ट्र द्राचन, ख्राम नाया भारतार खराणा स्वाप्ता स्वा

রবাস নাগামিলে এক গলংগ্রান্ত কি । সংস্কৃতি স্থানিক কেন্দ্রান্ত

ভারতির ভাষাই ১৬-বং মুখিছের ১৮টো সংহ্রার সংহার এই বাজি জ্বিহার

্টাম্বাং স্থানির বিচ্চার্ট্যেমী হ্রাণ নাহির এটি । প্রত্যাপদাত ভ্রম জালীপ্রাস্থা, ক্রাণ্ট্র সুখার ক্রাস্ট্রান্ড্রন্স স্পর্কাশে । ১২১ লড্ডার্ট্যে ব্যান্ত

ना द्विता ७४%, अस्टब हुए अस्ब, बाटा २३ व छ. संस्थित ७४%, अस्टब हुए अस्ब, बाटा २३ व छ. ছার, এই যোলো গলাধর, নয়নেও কি ছেরল। কেন এক কোষে ভার, লও চলন মনোহর, মুপে বলি ছারং, বয়ন্ত্র্ লেবা করনে। যদি বল গলাধর, গলা পরেন শিরোপর, এয়ে ছেরি ভারারের, গলা কইটা বলনা। তবে জনলো উএর, তিনি তেমন গ্লাপর, এতেমল-পরোধর, ভারান্তর তো হালানা। পুনুর যদি কছ বাণি, শাশ ছুষা শুলপালি, শাবে জটা অলে ফ্রা, কই লেশ্ব ভুলনা। বলি জন অলপর, মুখচনে পায়াপর, শাশ ভূষা নিরন্তর, ভিন্ন কিলে, নলা। কুলাগে চুচক ভাল, ক্রিটা সুগালু পোভা পার, নলিংর ফ্রা ভাল, কাংডেছে লো সন্ধান। নির্হ বিরহ শলে ক্রিটে কালা কুলে, শ্লপালি বক্ষম্বল, বহরং

मार्चक भीत भाषका दाविताको समानाद मुख्छ।

 ইছার পুক্তরে আমি দির করিয়াছি গোরাজা কহিল ভবে বিলয়ে কি ফল বয়দিনাকে হরায় নল। কথন দেন। বর্ষিন্দার বাকে। পুডিবাকা পয়ার ছব্দে গুদান করিছে-ছেন।

क्षाभार २ कला।

প্রার। যাত্রলিলে প্রেরণারে কিছু ভিতারনয়। পুথ কুল্লে শাস্ত্রে মতীর হায় মানা শেল্ডাকরে স্থা लिक अभि भारताला । भारते अतिरास्त्रं हत सन्ती तकः। एएक । एक स्थान व राहर निर्माण के स्थान है है write with any me has been also fait. में विद्याल कर बार (२००५ के विद्यार स्ट्रांस को बार विद्याल स देशक करिया मा १० १ में ली ५ द्रा कर्ता । है त्र र्वेष रावेष । है ल প্রতি ওয়াল র হয় । ১০ কর্ষারাদ। সাধর ও লিপার ১০ বির ভাব নত হলে তেওু কালিলা স্কলে ল লিয়ে সেয়া केन ब्राह्म हो। १८ १८ १८ १८ १८ ५६ है। १५ हिंदू १८ ५ 以海上的相对,明177章 (A164 ●\$179年) 对新国际公司 确则没有现代的,这们对一场针刺 计设计法 化现在分词 不知识 CHEN MER WILL OF A THORN ARMS TO THE ME एस्स्यास्त्र । १९५० ज्या १० वर्षेत्र वर्षेत्र स्वर्ते । १० १ प that forther that the state of the contract of the भूत्रक ब्रह्मा । १ वर्त्यम् व ब्रहेका सम्बन्धान तर । भारति कृतिस् स्टात् स्टाब्सिक महानात अस्ति है। माकारत मर्कारमा नाइरल काणा । या व व रूप प्राचा

क्या एक तक गर्दे आंतरना

यक्ता । भारत भूगान चुक्त मध्य धरान अभयर राज

রূপ পরি করি, মহারাজার জাণভার জ্বল প্রতি নিয়াবসন সময়ে বহু সজ্জার ম্যায় সভ্জান দুস লোলিভ ছিছি
নাজ পরিতে প্রবেশ যাত্র মধ্য বিহিও বালনানি করিবা
ক্রাড়ার প্র মধ্য প্রমন পুর্যের রুসরক্রি সহচ্ছালাকক্রের হাস্য পরিহাস্য রুলনা। তে প্রত্যাহ চিতের নেরেই
নিয়ালাল ও সানাল রিষ্ক আলোপানা হণ্ডানি কর্ম।
কর্মাণা সানন্দিত হইনে, ন । অনিচ রুসরভার স্বাহ্র
রুলিভাল জার্মন বাবন শ্রম মানেই আশ্বাহ বিভালে
রুলিভালের নির্যাহ স্কর্জি লাজ্য হরে জ্বাহ
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি লাজ্য হরে
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি লাজ্য হরে
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি সালাল প্রায়হ প্রায়হ
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি সালাল প্রায়হ প্রায়হ
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি স্বাহ্ন প্রায়হ প্রায়হ
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি স্বাহ্ন প্রায়হ প্রায়হ
ক্রিন্ত কল্পরি বির্যাহ স্কর্জি স্বাহ্ন প্রায়হ প্রায়হ ক্রিন্ত স্বাহ্ন ক্রিন্ত স্বাহ্

স্ত্রপ্রসাম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম করে।

्रांगाच अव का नाज प्रश्नात प्रांत । १८८ का का स्टब्स्ट । १८० व्याप्त प्रश्नात प्रश्नात । १८० व्याप्त व्याप्त प्रश्नात । १८० व्याप्त व्याप्त व्याप्त । १८० व्याप्त व्याप्त । १८० व्याप्त व्याप्त । १८० व्याप्त व्याप्त व्याप्त । १८० व्याप्त व

किदन, शांरे एउ छनि जन। सन्। किन्नु आयुह्म साह, भाषात जनक कार, याची (छन केला (वहाकत ॥ १० वि किया दर्शत होत. शहिलाम निवम नात, धरिन कि ইদ্যার মুন হয়। এফালে ম, তাবা, পাসি, । ভর্ত কাল স্থা वर्ष कर का नाम केला कराइमा क्षेत्र किया नाम हती. कतिराम विकास भौतिम त्रवा अधित भिष्टा श्रवा । एउट उस भारताल, महाभवा ता के Ge विदेश र केंद्र १ केंद्र १ केंद्र १ ता া, ১ পিলে, স্পান্ত, সন্মিত্র কালে, বিশেষকা, কমস্থান একে , west of the man that the the work of the work of the ाव करार्वकारी स्थापण कराना, ता १८५ होत् रहाम, प्रदेश अधिक घड्डर । भारती जिल्ला हार्स्ट स्व who server have the server of the desert of the server. ्रांक भारत । अंदर्भ अहि अप किंद्र अद्रक्त खंडार हाँक अस्ति। र म्याद्वार में हरी जात्र है नहीं अधिकार का मान अद्याद ব্যবিক্ত না 🔑 বিজয় প্রসামকে, মৃত্যু স্থাবন ব্যৱধার স্বাধান 4、首5约 (有数6 7 (14 sec) 同类和 \$ (14) (14) (14) (14) 年表现在一种语言 ১৮% ব্ৰাহেন নিজেন মহানহত কৰেল নুপ্ৰত প্ৰতিৰ ABOUT WHILE I MADE ADOL STOR BUT THIS TORK ace it see, cold, grade, can be refer the प्राप्त रस प्राप्त धारा भागा का हा गीता. र बाहु दर्ब खड़वी बेक्ट, एक्टर, ब्हा एक खरा । उद्यान पा १८ ० । १८७० भाषा हास्त्री बहुबारक श्रामाध्यक न्याक न्यां व रात हात ब्रीक्स । ज्ञान दर स्वास्त्र भूती, शाहिक, साधित ब्राधित ारेटक कहा मिर्टक्द्र सभीय । जाटक टेम्पद्रका कटलरखार हो । मी मेथे ल्लाइ, उथा मरू किएक मदन । ४६० ५,४० ५

वनरी, मझानिका नीका नथी, खारह आवाद मूके मना-मन । এতে शच थनि विदम, जीवन वार्थ जीवरन, छारह শ্যা কারি হারি লন। একে দাশ মেল নামে, মুগাক্ক কল-স্প্রেলি, ভাছে আবার রাজ্পীত। ভয় ।। **একেত জন্ম** इनके, याँधे मुना बकाकिनी, एएक बाराज भाषादक গল্পা। একে ৬ পূর্ণতিত জল, দৃষ্টি বাহি হয় মূল, ভাছে আর কানা থেয়ে ভর।: একে চিরস্থায়ি রোগ্য শরীরে ছাতে ভেলে, ভাছে হয় গাভিক প্রভাব। একেভ ভুঞ্জ বি -किन्त, १९०१ का लिखि भारत छाउँ श्रुम (१९)लया समित्र। একে অস নিত্রাপুর, ভাতে নিশি ভ্রম্ময়, জাছে যেন ঘল भाका भार है। उद्देश करही जन्म, लागरेबन क्यांग है। या, বলিকারে শারে নপ্রিয়াড । কে আর কে ত্রেমার্থিয় নিস্তার অস্থিনা গনে, জনাবর মন অপরায় । সাপিনী रशहभा श्राप्ति, श्राप्ति विद्यारन क्योरित खरूर भग भूगोछ erally late liter a print, county in Gritt, in-लाव ए नाइ का है। ति ति तक एव लाइ खरुनमा बक्का পাস, ৰালে প্ৰান্থান্<mark>ৰী</mark>হাতিই , াদুৰা এই জল[া] নহিং জ भाषाका प्राप्तक हिन, खाक्षा वर्ग उर्वकोत्तरकार गानिह ৰ্মাতিৰ জীৰ জন, মে মইল বাল পোন ছোঁ সতীয় পত্ প্রাণ্ডিছ, সন্ধাহি কল, অসুণ্ডাতে গেল কুরা, কুয়াং পুলাপাকুতে গ্ৰিল। অধিনীতে অনুস্ক ইন্ন পাস্ত मार क्ल, नड़ ज्वामां अविष्या, देखे। ताती इर ्यात् । अदिक्षे ज्ञात् विदेश दिवारी, स्वत्या इस्यास्त्री सोदियाः রণে ব্যক্তের ইনে, নোকে করে উপছাল, মারে পুরু ८१ था ११७ लाइ । दंब रहन दोना घुणो, वि मूर्य हरे-लि भूषि (कह उटल एवामी हजालो । एक्ट वटल सांदेर,

कि बामांके गुरु हाहे, कान मुध्यक्रत कानि किलि । খাতা লিডা স্ত্ৰাজ্য আদি, সকলে ২২ বিবাদী, কেহ পুৰ मा दमरचम किन्द्र । बद्यानी बाधह कुन, दकर, नदम मृहः मुस्र, रक्ष्य उर्था प्रांच र्याच भीरत ।। खोरबारक्य अक्ष िए, दिए गाहि बाटन क्षीरि, मझ्डि केन्द्र किंगा भण श्रक (प्राची दक्षेत्र स्था मेश्व इस अस्त्रिक, व'लाइड्स स एक भौरत्या। प्राक्षात्व क्यांत्र क्षक, व्याक्रणाद्य क्रक. श्वरिषं, मनात्र सुक्र इस। ८मप्टे क्रम सांत्रीकरण, व्यापकारण क्षक् खोरम, किस्तुरन स्थलीत् घम । उनके मही क्षावकी कल भागे गाँउ भारत गाँउ विना कि शाँख एक रत । 🐷 क्षभाव जलगिति, गांत कृष्य स्थलिसि, अवस्थाद्य करुए निखाद । अहे कल कांत्र कान, श्रीमाश्चर (पात्रामास, रक्षत्र कारण कार्नि अक मचा । न' म सारगी अंक क्यें, सह महिल उल्लिस्ट, इस्त एक्न आहा वल दक्षा स्टब्स एस ংশ্রি তব, ছালেও হত্তের বং থালিও অধ্ন নেজ্যত व्यवस्ति मा प्रदेश साहा, व्यवस्था है। है। अपना, जा धार्य कि शामात त्यार्थ मध्य । कि खादन छ विक्र काय, मांबास शास रह कार, अट। कर कि भरन केरूप । जामा करण क्षश्रीक জে, কোন বাধা নাছি ভাতে, মহ লথী পদাৰ সভা। দাসী बारका बाक मुख्त, कवियनम खिति क्ला, घरतर अले क्षमु हेया । १ क्षिमा मा वि देवत्न, खेकाम कहि देवर्थ, आहम आहम काला फेडिस रूप। श्रीक्षरकाल शंका, मरबार्फ क्षकांण नथा, जब्ह रेहरल जब काना हाय । भाभ विश्व केलेटकात, कफेटक वर्ष्टिक करत, उद्याद्य ११ कर रहिन्न लाइ । खना व्य तांद्र जनश, उचा क कदलद क क, चल कि निर्दार भारत परन । भारत्य छ । समस्य लाखाः । तम्

क्ष कोटल खोल, कारल कोल क्य कारल रहा अब अवस्तर ल्ला, बद्रावित स्टम हरन हरनर हत्ता एक वस्त । अहे इधाराधिका, इञ्जाको यमिक्रा, केविक बाद अवामा हेन केरे । भिन्न पादिहार राका, न्यारा, कविया, विका, र इनवर्की पानी अन्ति कस ४ वृहत् अवसा आप तथी, उत्पाद बलिएक द्राया कि, अनरे वाद समूद्रत । देवाएकतिकात ही, बानद्र व्यद्भ कृति, व्यानवास धति मुग । स्व छ । बगाई 🗻 খ। উক্ত প্রে, বলিদেন খিবেই, নগুন্ধ ন। ম্বরেলাক্ষাৎ।। कात्र जार्थ शर्य। है र का सिनाहरू करे श्रम, शर्म र सम्बंदरम ল্যাক। হানি এই ব্যক্তান্যাতা ক্রিলেন প্রাণ, অন্ধি जीएर एक लिए । विशादक ।। शक्षक्य भारत लाख, क्यांनिया-(क् इम्बन्ध, दुवि धेःधं दिल्ल काः कातः। दन्दे लक्ः क्षु एत्य, छेश्रातके घटातान, अक्षांकि बोद्रान विकास ।। पाइन १०%, नेपाद्य किलामा दक्कि, पाइम् मध्या रिर्देश । अधिकीत जारमान, श्रुदाव तकक श्रास्त्र, दश्य श्राम, तर्र न्द्रक्रस्तः •

ন্দ্ৰ তিথাৰ এছাৰ বেশা দানীয় প্ৰমুখাই প্ৰজাবনলাব পৰ এই অংশ্ব সমাগত জাভান্তর কলেই থালাগো
নিব লোকা মানি প্ৰিয়াই কম্বান জাভান্তর কলেই থালাগো
কলি লোকা মানি প্ৰিয়াই ক্ষেত্ৰ লোকা মানি লোকা
লোকা মানি লোকালেই জাবধানি ক্ষেত্ৰ লাই শাদ্ধি কলি
লোকা মানি প্ৰাণি প্ৰাণি দানীয় প্ৰতিশ্ব লিকা মানি
লোক, মে আলায় ডাৰ্ক প্ৰায়ান্ত্ৰীয় ক্ষেত্ৰ কলি লোকা মানি
লোকা কলায় জাবি জ্বানি ক্ষেত্ৰ কলি লোকা মানি
লোকা কলি জাবি জাবি কলি লোকা কলি কলায় কলি লোকা মানি
লোকা কলি জাবি জাবি কলি লোকা কলি কলায় কলি লোকা মানি কলি লোকা মানি কলি লোকা মানিকা মানিকা কলি লোকা মানিকা মানিকা মানিকা লোকা কলি লোকা স্বাণিকা কলি লোকা মানিকা মানি

পুৰুষ্ম হাইয়াছে, এচকতে অভিলাষি দে হোমীয় ঠাকুল पुष्ट १ क्या दक्षा को स्था आदिक्या व्यवस्थ का का अवस्था साम्या ंबर्ड ago विक ब्रह्म र यान्कान महिल्ल বিভী হট্যা চরিচার্থ চই। অবঃপর এই সমাক্রাকা भक्तिम अध्य भगता सभवनगर मित्रवास अख्यादासम्ब ন্ত্ৰাণ ত্ৰালন কৰিলেন, ছালাল দুখিতা লেভও বেলিছ ্যান্ত্রি আক্র **বা**ক্যার্শ হিন্দ্র বাক্যান্ত্রা মপলক্ষিণ ইং এম ুখ, এম্ লংপিক জাংমার পর্নফীরেশ আলিরতের। সার্থ भन्न क्षेत्र क्षित्रकारिन अञ्चल त्यान कशाहे ज्लिला . १व रुपी प्रति मुद्धा नक्ष**क मान**्द्रा ह र्ष्ट्रीक सुन्तान । विश्वाहिक पत्र काल्या में भावस्था भावत्या । प्रियंत कर्षात्र । ি ৷ প্রায়্তানে আইছের কলাক্ষর নিহরণ সমস্ত 國南 多面子之一,代籍高明中國門一大海山市 實際性機 र १ त किरोप प्रकार विवृद्धांचे वाक बरो शक्ति कर्फि 化对头 不知 解 化对一种工作 安心 使小流 斯山城縣 海红花 ्कते मृत्याक तत् प्रातिस्ति काक **व्याधार्यो स्त**्रक ওপানের এর এবাকে জিন্দির ভারতিকুর মধার্যারে िहु। स्टाप्ट अस्। २०६६ अस्य स्थाना २००१ अस्ति स्थान सार्वा ५ , ४४ ५ ५ वर्षिया । त्या १ छत्र ५७४ वर्षा वर्षा पार्वण वर्तात्व अंगारक कावित्य क्षित्रका । मन्दर े बरे राहाणपुरस्य अधारित सामान्य कलिन आहाराह ্দলপাৰ কলিকাবিকাৰি: সুকি সেই অভিনাতে সাংল लक्षित्राजनमञ्जलितां वस्ति । त्य सार्व अभिन ८० छ। त्रपावना - एवं न दाविक मा क्षा एक अस्तुका

केला सैंज व्यक्ति ह छेलयुक्त । करे दश विकास स्वाः रखत भरमाभारत मरनाजिनित्यम करल जिल्लिन रहे, এবাপি দৃষ্ট রলাৎকার করিয়া আমার সভীত্ব ধন্দের सम्बद्धन करह रूथन कि छेलारत मृलाज्ञ लाहेद । अवस्ट গ্রিস্তান্তা মইয়া ভাবিলেন। যে রজম্পা ভীকার ৱাতীত আপাটত মঙ্গল গড়া দৃষ্কর। এই রূপ নামা-ित्र हेट्डा मनु रहेश थान भान खाननात्वेत सानाः 🐲 করিতে থাকিলেন, অত্য ছঘ বেশি সাধুপুত্র সহচারী গ্ৰ সহকারে রস্বতীর মন্দিরে ব্রিকর্ষ অর্থাৎ প্রবেশ ্ইলেন, পরন্ত রগরতী তৎক্ররাৎ চন্সানন উত্তোলন **इंद्रफ विभाष्ट्र करें। या मुर्भाटन दक्त कक्षित व अर्थाएक क** इंट्रकात्स्य कणे कातृ इ ४७% कूलक फेटक निश्च किया थि है। जार्हेख शहेशा भगुनीरत त्यीनातनश्रदम^{्ळा}ंनारशब् आस्य প্রবাধি সভুবার মইলেন। নূপ তন্যার এবছিল বিলয়া का रक्षियो प्राप्तर्भय भारपु**रे छन्नारधान कविस्तान एय** গুলুর স্কামতা মদাশ্রীর বিবাহারতি চালবরীর সহি का दर्शा क ममर्गम भएपत अधिक नाम्ख्या एक प्राम्ययोग ছলক্ষানূলে অভিযানানুরাদীবাদি কলের ছুল অফুর वापन नाषाहर मत भव मृब्धनास्त्र श्रेग्राह, उच्छना हाम्बर्ड तलका वृहक करवील स्थीन वात्रि अनात अध्यु ব্রীয়াছেন এই রূপ চিন্তান্ত্রিক। দর্শে গণে দ্যৌন ব্রহত েটিলেন। অপিচ **ভগু বেশা সাধুসুত রসবতীর স্থলক**ে ্ড০ বৈনাভিক্ষায়ে উন্নাদ প্রায় উন্নেস রহিত কইছা इवाना सम्क कि डेकि कश्चिमहाइत । छाहा विभाषी अपन निरम निवस क्रेप्स।

भाष् पुट्याः विसम्।

भिष्यकी। दक्षमर निष्युणि, हिंश जुंब उत्पाद की, चरक्षेत्र भवाच अक्षेत्र , निष्णामा खदा । का का k এল জুলি কেন্ট্ৰতিৰ ভক্তি কৰিলে দি তথাৰ প্ৰচিত ⁷িটেল, বেংলার পর্যন্তিরি বাহের বাহেল পরে দলিও ैलायन प्रशास्त्र अक्षप्रभाषाय प्रमुखाय काल, ए. ए भरकार प्रदेश एक हिन्दू में इंडिया हो क्रिकेट सामा ™रेल्सीन - इंटिश्रीक, ऋको (प्रीप्त स्टाक्सिक दशाखीर (¥ , শ , * ল ল ক'ছি ক'ক'ৱে কিছা, কৈছি কিছা ত হয় কেন্দ্ৰ । তেওঁলৈ হতাৰ, সেনু, মহামান কৰি ভাল, - संक्ष्य र प्रदेशन तेवान की र साही, जिल्ला ने महास जिल्लाहर । स्त्रा र ि शिक्ष भाषा विकास विकास विकास है। असे हैं ्राम्य क्रिकेस मान्य विषय होत्या है। त्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थितिक स्वत्र के । क्षेत्रक रिचा १४ में स्ट्री क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ्र स्टब्स् वर्षा वर्षा होता । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा See Man Charles - Extention Care at Set. ·通用· 然后有的哪种的研究 然 1 100 300 2 18 with the control of the second second place and a second of the second of the second of and the man are the first property THE PROPERTY OF THE PROPERTY O 医环节 具色 花 "我说……" 不得的现在分词 斯伊 化二氯化茚 经一张证券 化硫化铁铁 电二叉流电影 医海豚病 经产

त्रदि मम्भर, विस्त भूष सनित छिन्छ। कति स्थानः বজাঘাত, ডিফিরে কর নিপাত, বিদাহ আলে। এলু कार्यांगास । यपि थारक चालियांन, प्रहारत एति छात राचित्राव क्षेत्रदेश तिहरण। (खामा दिश्य कार) करने, नर्गद 🖎 🛪 दमक (करिम, दमक द्वारम दार्थक टबर्गक 🕺 ১৪৭ লদন জাহ, নিয়বে না হয় বাস, ভাষ্ঠ বিলিছা তের সরে। প্রায় পাইয়া एকরে, ফ্রন্সিলে লগতে সরে, েও মন্ত কর নিজ করে।। আরম্ম ম্বাছিলর প্রতির আর্হা ত্ত নৱিং, পঞ্চ শতে কমিত **লগন্ন।** কিন্দু গোলে প্রান্ধ ্রি, সর প্রাণ নতে ধরি, নিরাপুরে নেও লে আশুন 🖯 चीं में ते को बोका, खायरत काइन उन्हें कुल द्वाल াল প্রতি তার এবং ধরি বলাভ্রত্ত, করে গাতে দ্রাচার, (। । ব লাবে কের ভারি আরে। তার পাল এটা ১০. মানিহ্রান ভালাহণ, ভালি ৮৮ কে চাপিত্^ৰ ্বা আৰু ভা, বিচাহাল, স্থিকি কভুচ কাং কার আরিagran হয়। ১৮ আন **গৰ ভাৰি ভাৱ,** জিটি । ইঞ্জি कर, करक, या प्रतिक्ष, निमार्क्कन । श्रीव्यः, एक पर भारत THE LIFE, WITH MIT WE WATER I WE . 1. (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (5) (6) (6) (6) (7) (7) (7) (7) ি, দৰ লোগে প্ৰমন্ধান, কৰিলেও সে আৰু তেওঁ ন ২০০০ কি ই বিজ্ঞান । এতিৰ কি হণ দেজে, জাতেজ 🖣 ত,হাত তাক্স অক্সাথে বহুপোথে শিতর। ছালা, কি pair, এইলান অনু বতী, গরমে মরলে ফাই মারে। क्षिक्षरेन माद्य करा. एवं भित्रम श्राष्ट्र है। एसके भिन् स्त । अर्थात । ठेव्यं कि बकाष्ट्रम, किए १८० कर्याप्रम ে প্রায়ে সংখ্যান বিধি । উদ্ভিত লা দিলে জাপুরুল

০ চাস.ম, অবিধি করিছে। অধিবাদ। দুখন বুর্নিন গাচা ुर्हे, इरस संदर्भ **गांगे, मृद्ध श्रीकृ अन्य का** जिल्ला कि सार व বিষ্ঠান্ধ এই কেতৃপায়ে লাল, করিয়াল্ মৌনাবল। আমি করি অভিযান, করি কর অন্যান, হার কি বিভিন্ন ্বিচ্যৰ ৮ কোথ: আজু পণ্ডিমতে, রতি দাবে অচি পুরুষে ভাগি রাজ করিব শীন্তল। এনে কেরি ব্যাল বা वार्ष्ट हरे व सन्त वृष्टि, अस्य स्थान (च्या १७४१) अन ▶ा ब्दार १८६ रक्ष्ट्र, अ**शः आह**्छाट विद्युत अधि। व ্রালা, হাল নিবাস্থা কিন্তু হুকে। কোকে সংল্পা, ধনুবর্ত । भारती करण विश्वस्तर कार्या अहित्राय । स्था ४० २५, करहे, ऋषिए। स्थानस्माधकार, बिस्टा मार्के व्यक्ति स्टेटर গুলমা, কৰিলে খুটার অংশ, আহরণে দিন স্থান, ১০ ुर्क कव्योंनी रक्षा। याने श्रुव कर क्षा, अर्थान । संदर्भितः, तमिर्देश स्थान् वहत्र । १८५८ अहे वः विकास arts withing with the a two twent out balls all the · 1 有价度 (各类色),这种效量的。 (1) 有一种 有一种 有一种 对于。 दमरा अस्ति। मुलाय शारान्त कहा, केक्ट कि वर्त अर्थ. ुलेश सारक प्रस्तितः, एक १८ छ। स्व तिक्रमा विकरणा ५० छ ।) पदम्त १८८, प्रथमिश्व विदिन्हें, विकिस सक्षित्रे अ ै । रहि वर्षत्र ना श्वाहित के एक किएल परास्त्र ना है। देवान जिल्ह আসন বনয়। আসাহুর পতি পতি, প্রকাশিন: 🗟য क. रि. मधा माहन कता सुरु, शुरु । अमन्य कार्या । भारत, पाएरव भिरुष माथि। तेत्रशाद मना भाग दिल्ल 🕨 है। प्रसिद्ध कारण, 🖟 व 🗷 है। है है। पान प्रतार का है जिसे ह কাত্ৰ ওপুলি চাল পুলি লংক্তি**টিতে প্ৰেল** আৰু এই চেটিং

हरक, शक्षकु शाहित विस्तामिनी। इय स्थम द्रविन यस्त क बाभित्रव अर्थ कारन, शत्म विद्या পতि मञ्जादिनी 🕍 📭 কল ধানু গুত্র, প্রকাশে ছলের সূত্র, স্থানি সভী যোড় করে কর। দ্বারা পরিমুহ হলে, আর গৃহ নাছি চলে, ডাই যে কেলমার, মহাশয়॥ বিজ্ঞাদিব এই বাণী अनं क्टर छन्यनि, जहना कितिएन काम कर्या। महर्रमंत भार मानुः भारत्य **व्याभाग धीलाः এই गर्या मह**मात् ४मा । क छ अत भरमाय, नर्क कर्ण छ्यूभाय, क्वर विश्वोदिल प्रम कि जात कारत विधि, जूमिएका विष्णाद मिधि, भविष्णाद क्षार । देहमाना। उव कुला क्षेत्र वान, दर्भाषीय दक चाइ ছা'গ, বলং ও বিধু**বদ্দ । কি আর বলিব (আমি**, তেভ ५ जुलाना जुमि, शकानीरत शकाति कार्नन ।। ८५०। কৰি কাৰ্লাদা, বেশ্যা ছল্পে পাৰ নাশ, ছলে ছিল বাছ हिल कर 🕟 ता कना हुन हुनेमा, टन या हमनार, जाउन कुरी याच कर कारदा।। लिख्डिंड दश लक्षण, मुलक्षण दिल-স্ক্রং, দেশংখা লোকতে পুরালো। ভূমি ভাতি ধ্রৈ ধীর-छर कुला नद्ध नीह, पैश्कु दमदा श्राष्ट्रित वा शहर ॥ श्राप्त নীরে চত্র থা দেন যদি চত্যুখা, দাৰে রাই **তব ত**ৰ • छ।। एन वृष्कर मृत्यं, क शांशिमी तकाम पुरस वर्गः জরিতের ক্যাভর ।। কে পারে বলিতে কাল, ভোমার গ্রার অন্য গ্রনিধন মধ্যে গ্রা**নিড।** এত শত নার্যাগ্রে, इत · 🖙 २ वि प्रतिन, अनावर्ष हार है एक्षिकृत ॥ दमस्यर ি এবার বা, কুমি লার ছ্রপতি, কেন্ডাল পুজেছে প্রত প (७) रत १८१४) नक्ष आधि, श्रक्षण श्रास्त्र श्रासी खाई वान प्राधि जानावकी । विदंश खबरि मध মম মনে লাহে দেখা, নাখ হে অদ। কি সপভাত। পক

গুলাজিত কত, ছিল পুণা শত শত, সেই/জনী মিলন দেবাত।। এনে অভাবের ভাব, বামনের এক পাত, जी उत्कार पूर्व हे घरने । कि मनश मन्तिन , खास्त्र ना अत यानम, नितानम शिल छान वन।। काखाद तालिवाइ ন্তান, আরুনা থাকিত প্রাণ, কেনা হে বিধি দিলে দাশা। নাচি হৈত খড় যদি, কামা প্রতি প্রতি হাদী, त्रात हैए मानाय माहाना।। सनि नामु बरे नाकः आह नांकि त्यनादत बाका, खन्न ग्रहा आदि मानरे। अगटग ायामा प्राची, कथात्र खुलार अगाति, चीय वामी माचित । इसरम । उत्तर ब्रिव्य श्रोत, एक्टन रचन कीएमाइ, ালার নালিতে যার কই। কে ধরে এ খর গালে, কিছি क्ति भारतन्त कि भारत्यक ध्वत भाव महे ।। किंद अमे ্ঠ বল, রমণী অভি শবল, ছুলেতে সদংশি আহ १८ल । १४ ल्ड व श्रुप्तेलन, भारिया अभिक सम, ४५% ্যালয়ৰ খুৰ নতালোৱা । অভএৰ কোন মতে, পাৰি বাহি सन्दिर्दर वेदवर पृतित बाखिलाय । सद्द प्रतिभुग यात्र আসালার ছৈল লার, আশার ছইল উদ্ধান।। আত্রেতে ाटक १८ रे. म् मारहा प्रकार्या मिक्क टेनियर धार्ति किहा শাবিত্য কোন কাতিকে পান্তম, মান্ত্র কাবিধে সাভান- এসভি না কেসগায় ভারি*।*

গতার । নাস্তলে শ্রান্থী পুরাই ভোষারে।
কৈ তি গাঁচার সভা রতী দান করে।। নিজাধ ক্তান্ত
গথ দুর্ছ নদ্য নতু সুনি আলে প্রাণ রছে তিজন্ত
ক্রিছি ন্যুভি লামা প্রতি গোসরুভি । প্রেকাণ গাঁহা
ভালে কলো রুপ্রভাগ আত্তরে অন্তর নুলে তল ভাল
ভাল ভাল সুন্ধা ভাল কোথা শিখেছ ক্রুপ্রান্ত সালু

দীটা রমণীর গতি মতি পাঁড।িপতি বাফ। হাড়ান কি ভাছার শক্তি । পতি আনাধিকা সভী পতি পরায়ণীয় পতি সুৰৌ সুৰী পতি দুৰ্বেতে দুঃবিনী।। পতি ইন্ছায় ইচ্ছারতী পতি আংশ আশা। পতি ঠানে স্তার বা কি आरह छत्रमा । अटअव विस्तामिनी वृत्यहि अथन। আছে বুৰে কেছ ভৰ মনোন্ত ধন।। ভাঁৱে বুৰি নিদি আছ ধনপ্রাণ মন। নছে কেন আফা প্রতিএত বিভূমন 🕡 हिहि थान कांत थान शास्त्र मान मिल्ल। या स्थानात धनुत्र धात कि क तरम ॥ अहे कथा व्यक्त भाग तमदर्ध কয়। স্বামী অনুগতা আমি কেন মহাশ্র।। নানা রঞ্জ লান ভাই কর নানা ছলা। অবলা নরলা আমি ভাঙে কুলবালা।। শঠতা বৃঝিতে নারি অল বুদ্ধি নারী। পাত ভিন্ত অন্য জনে নৈতে নাইে ছেরি।। পতি মুম গুলু জ্ঞান পতি কুলমান। পতি পাদ পত্নে আমি গঁপিলাছ প্রাণ। পতি পরায়ণী হই পতিব্রতে মতি। তাই লোকে বলে বেংরে পড়িব্রতা সতী ॥ এই যাক্ট ছান বাধু পুন-রপি কয়। বলে কুলটোর ভাব বোরা ভার ২য়।। পাত হতাকাতা চ্যি পতিব্রতা কিলে। মুথেতে অমৃত তব্ कांप्र प्रवेदिरम् ।। मदनायक करन मन करहरू अभव । कुक्न कृष्मि इस किया खरहाकर ।।

त्नव छ। त सामार्ग।

গালা । নাগু সূত্তর প্রভারণা প্রস্তাব শুবরাক্তে জুপাল ল ওনলা ভাবিতান যে এই ছলগুছারৈ তমুল চল ভঙ্গটি সমূল কাংয়ত বিনাশ না করাতে উহার কল কৌশলে আমার কুশল লভ, সকল নিকল ছইতেছে। যেছেভূব কামি বিশেষ বাপে এই প্রভারবের প্রভারণা অধ্বন इंड्लाम किन्नु कहे पक्षक इंडाई काल्मन किलामि ताकन बाकारक करमा शाहरी इटल १८ल करण कोन का छेड़म भाइती कर्तिए हिंदा १६० १६५म स्रक्षात ता स्थात ते विक मूठ क्रिया क्लाध्यम कर्ष्य आक्षामन भूगिक कीम वि स्टूब कर्षाय भादत १८० व्यवस्थ के देता क्राध्य बादक। एक्ला कहे सामू शृक्ष। क्राध्यक हेंद्रात १८ए३री निमाण क्राई काराह केंद्रिज।

হ্রমরর্ভার উভর।

जिल्ली । करह मधी तमवर्ध, खनरह यूपणी शिर, कपूरकत वाथ। वह जुनि । इकारी कितरण मिक्र, कत एवं मुखिति के, नाजी तर्क कि द्वाकात खासि।। वरस्थात वल वृद्धित , वर्ज खासि।। वरस्थात वल हिंदि, वर्जात बन्दि खासि। वरस्थात वल खासि।। वरस्थात वल खासि।। वर्ज खासि। वर्ज खा

রশবভার বাকে। নাধু গুরুতর আশ্চর্য) আন ভাটিয়া ।

গদা।। ভগু নেশা এই কভিপয় প্রশ্নের সদ্ধ ্রাপ্ত নাত্রেই আতান্তিক চাঞ্চলা দনা ছইয়া ভাগিলেন ফ রসবভী যদ্ধপ প্রভাৱের প্রদান করিডেন্ডে ইথাতে আনে-ক সন্দিশ্বই উপস্থিত ছইল বুবি হিচ্ছে বিপরীতই ঘটিল। কি জানি বুঝি আমার শঠতা রত্ন রসবতার শঠতা ৮টি

প্রস্থার প্রীক্ষা দার। সমাক্ শহত। রস্বতীর গোচর ঘট্যাছে নচেৎ আমা প্রকি রসবতী এতাদৃশ পুতারর পুদ্ধের করিত না যাহ্উক ইছা বিশেষ কলে আ**য়া**ছ জান৷ আবিশাক, এববিধ ভাবনা প্রমৃক সাধুসূত ভূপাক ল্লার প্রতি পুনঃ কহিছেছে।

উভাষর উত্তর প্রভার ।।

মান প্তের পুশু ও রশ্বভীর উত্তর।

পু। মনঃগত পুরু কেবাহে ওব।

छ। (मधना ভातिरव श्रामि कि क्र.॥

পু। আপনি, জানিলে কে কছে,কারে।

উ৷ জেনে না জ্বানিলে কে,পারে ভারে :৷

भू। अथापि कि (छामादा छाजुड़ी कृति। छ। क्यादन ज्ञानिय छवला नांती।।

क्रम्प्त ज्ञानित छत्ना नाती।।

था अनुखारत एवि वृद्ध मध्या।...

উ। ফ্রোড়ি গ্রে আমি জানিন।।...

शु ।, आमि कि आनि क्यांनि क्यां डिव्हर ।

টি। তানা হৈলে হড়। গমন হয়।।

श्रुः इक्षां एवं वीरम कि इंग्रमा जाता ।

িট। পাতি সীলৈ আর কার ভরসা॥

পু। আমি কি ভোমার স্থাতি নয়।

कः गर्भ तस्त्रभा कर**व कि रग्न**।

পু। গুড়ু হৈল দলে প্তি কি পুর।

ছ । প্ৰের বেছে জানা সে ভদন্তর ।।

भः। द्वारत कानित्स छाई कान्द्रिणः। दः। छोशीयात स्थान

त्व क्वर्त एवं इन्ना प्रव ।

ग्रामण्यामञ्

ভান। ছৈলে ছুল কিনে ভানিব।।
स्टबहुँक्क ब्याङ्ग भिट्य जाना ।
কি আশার জাপে ছৈল বিশাদ !৷
लभी खादव जूनि कन्दिल क्ष्या
মংধাং ভার বজন, গাঁথা ।।
জবেত বঞ্চন জান ক্রপদী।
रम दिलास का नाद्ध मा कर दिलानी।।
যাহক ভূমিলে। চভুরা বট।
ওুমি কি চালুরী ভাষনা শ্রু ॥
জ।নিলে কি ৬ব থাকিও কুল।
कुल हे। विस्त ए । क ছा ए ड्र्ब्ल ॥
বলাংকারে যদি করি শৃক্ষার।
বপতি পারেন্না তৃমি কি ছার 👉 🥏
২নঃ বরেশ ন। মানে বরিশ।
পুরুষস্থ কিবা বলে হয়ণ।।
लाब इत्ल किरम शहिव द्वमः
েন (৮) রশ বি নে হয় কি প্ রেশ :
इस्त अथन धर्मी कार्यर्
এক হ'তে কছু কি তালি পালে।।
দুল হ'তে নৃহে ৰাজ্যও গুনী .
কৈতে শিকটো শে প্রশ্যণি !!
কেছ কি পারে না বিনে শেজন।
गुडाचु श्रुष्यंत कर्ना (यस्म ॥
সতীয় স্থো কি দাওঁয়া নাই ৷
পাৰ জেদে ভাহ: ১:হে ভাই ৷৷
আমিত দুপাত বড়েজো গনা।

के। कि हिन्द अधार रसंदेश स्ति। णु। चात्र कंदब्रि छो**। विश्विता**न । डे. उक्किला मांश्रदन cक क्लिक् मान ।! ूर्। दशक्या कहितने खनाणा नेवा 😁 छ। अन्या कथान कि जानामग्रा পু। शाहक जुनितिना नामाना नग्न 🔧 छ। छेति किनाबाना (श्रुतमेश्रेत्र) ल्। दक्त धनी बाह मिर्टेड्ड लोख। छ। भविष्यत एउड़ा कि दमताका। श्रा चानि य प्रति अ स्प्राम् श्राप। छ। वाङकाब दार् इस्ट्रिइ छाने।। ू । के अस्ते **रिटिस स्टा**रिशिश कि । है। अंश्वितं बीलका कहित्यं थाकि ।। পু। তাঁর আজা বিনে হবেনা পুণে। ডি: পরধন পরে কেকরেদান। शृ अत्र भःन श्रेनी छुमि कि जिमि । বিনি ওনপতি আনি যক্ষিল 营! लुः एरव एक हिर्दास समाधिनायो ই। ওলনে কি জাননা দরিতের আল । था। दल दम्बि उदय उनि मुल्दो के। अन्य अर्थ विषयम कति। द्रमहाकीद्रं कि जिल्ला

८ मार्क ।। केथाय खिने लीड एवं माउ यो नार महान्या वाला देवथवा मक्षानार कूज जी नार कूठ उत्तर ।। अर्थ ।) महिएसते ५८भी जाना शुर्व नाहि रहा। २८२

जिल भूताशिकृत

আশা মনে (নিলাইরং হয়।। তুল্য তার বালিকার বৈধ-,ন্য দশায়। আপনি উঠিয়া স্তুন আপনি নিলায়।

ন্দেত এব এই নথা দ্বিজেন হীতি। কেনংন প্রাই আশা কামি দার্দিন। সাপ্তরের উল্লি।

प्रतिष्ठ भाग । प्रिम्पा, शह करा. स्टांस स्टिश. खा । महिएल. खा । महिएल. खा । महिएल. खा । महिएल. यह शिल. यह शिल. यह । एके करिर ला । सिम्पा शिल. हार्थ शिल. खा । एके करिर ला । खा । शिल. शुंका । सिम्पा था । सिम्पा

ক্ষণ ভন্থার ও নাপু ভন্যের **উ**ত্র পুত্তির

াত প্রার । মন বিচেনে কি সুপ্র ইতি বিলো কিলা হি ছটল নিমুখ । ভাল দীক্ষা করা দানহ। মন্ত্রি কিলা শিকা ভব বিচক্ষণ, জান । তার গুক্ত পুজি শলা । নাল পাছা পাছায়েছে বিলাগতে মানা। ভূমি ইংগ্ নৃহত্ব উল্লেখ্য কেলাকেন উদ্ভি করে আমাপুলাও । একি বল মান্ত্রই। মকো পুলি উপপাতি ছয় কি সমুবদ। হয় কো অন্যাতিতা, । প্রদান্তর কর আশা একি বিপরীতা। একি পুলুমের কর্মই। পাতিরে নালিতে ইজ্যা গোলার কা । পাত্রে দেখা বিদ্যান্ত্রহা প্রাই করিবে জান্দী

नके कार्निमा भारत धरन दलाके तटर हिस्सिकित संक পুৰ্বি আপনার মউ। সমং হে সুজনহ'। সেইত: পুং र्योग अरु काम मनेही। एत्व मध्युत मस्मरे। ब्रोस श्रम । ायूची काँक्र निष्ठप्रच ॥ श्रीत खांची धर्म शाबिश करा छै भाष्ट्र शत वल विष्मामिनीना रंगकि शतमात करतः वनांदा नवार्षे लाह दनर्थ भरन करता। तलन हाथ ए **८थमरे**। श्रञ्जी भ्यम विद्याद्व हा देक करन निरस्थ : मार्ग ৰ্ষৰ অপৰাধাং। অনুমতি হয় হাদি নিজ কাৰ্যা যাতি রসমর্যা রস ভবেং িকুপা ক্রটাকেতে ছৈর পায়িও 😁 मंद्रको। दक्ष रिवरण् शोड़िखरः ' देवन काव कव आ ভিতে বিপরতি চতব বিচার কেন্দ্র: ভদ্ম থাতিত ্কন দ্ধনি বদ্ধান ভালাপাইতেকি নাজ্বী। বণ্ থাকিতে খেনপাবুর্মের তেজা।। ঘের। শইন আঁশুরং उद्धार मितामुग्न कहा है हिंड ना इग्र ।। मिने टाईग्र दम वाहरे । ब्रक्त क्ष खक्तक हाल छात्र ब्रक्त गाएं । किर পাইৰ নিন্ত্ৰিঃ বাজাঃ দ্থিত, হাৰ এত অধিনার এই প্রত্যান্তর শুনিই। বিনয় বছা। ২বে আতা বিলোদি না। মন অংখিটার স্টেডিত জানিতার নাট্রল 🐍 🗵 भाग घटि । १८ए बाजात सन्मिरोर । ऋदि पात कर्त वर अटक कुनगानि । स्रोत्य विकास **साम्य**ार । प्रत्येखत कार নট শিক্টেরে পালন। দিবে ভদ্ধতেরে দুরুই। মি বুরে ভূষিরে আর ভারি মুখ্ড গগু।। মন দে বিভার কোথাই छ। इत्न कि उर फंक्स शांकिष्ठ ८৮ वर्ष ।। माधु करे विका खुरनर । दिनवर्षी धाँछि करण विजय वरणन । जिल्ल केंद्रि निर्वाप्तर्। लक्षात् वन्छी । इल नाया मणानय। विद्यारगर्वे मीठा मिल्हा अक तमनीत करा लग जुन

नथा वर्षाप्ताना

দিশা। এবং স্ববংশে বিনাশং। আর কিছু বলি ভান বিয়া পুকাশা। এক রমনীর আশোং। দৈওা কুল গোলালা একটা মুখ্য কিবা ছারং। লগাল হলে পদে শিপভাম ওতামার।। যাব পারিকেতে কিং: ভার কি মরণে ভয় হয় রশবভী। যদি মৃত্যু ভয় ছতং। ভবে কি এ অনুগত হেতায় আদিত। পুনং অন বিনাদিনাং। কহি কিছু মহতের শংগ্রা কাহিনি।। তলে বাত করে গুলিং। তলাভ চণ্ডাল গুছে জ্যোহলার প্রবাধ্য বিষ্কা বাত যে চেদন করে।। দেশহ তথাপি বৃক্ষ হোহা দের ভারে।। এই মহতের নীতিং। অভবপর যালাই হিছু। কর রশবভী।।

রলহভার উক্তি।

লাগব। পতা বলে বটে এই মহতের বাতি। আশ্র বলান করে মক্করো প্রতি। কিন্তু দেখা নিতি বাজে বারি চম এবার। ভুজক পোষিলে হয় জ্ঞাপন সংহার। কারনে কউক বৃক্ষ করিলে রোপিত। সর্ববন হয় তার কারনে কউক বৃক্ষ করিলে রোপিত। সর্ববন হয় তার কেউকে রেটিত।। নীত সংসর্গে উত্তীয় নীচম্বুকে পার। কিন্তুনের উপমতা থাকা তার দায়॥ পীযুর ক্তে গোর। কোলা মার দিলে। মার্ট হয় পয়ো ঘট সাজ্রে হেন বলো। মের মার দিলে। মার্ট হয় পয়ো ঘট সাজ্রে হেন বলো। মের মিক্ট্যা। তজ্ঞা প্রকার হয় দুর্ট সহ বারে। অস্ব তরা গর্ভগারি আপনারে নালে।। অত্যব দুর্টে বভু নাহি দিবে স্থল। ভুজদ স্থাতে দুর্ট কার্টি বভু নাহি দিবে স্থল। ভুজদ স্থাতে দুর্টি কারিছে স্থান নাহি দাকা হয়। তাই ভরাই ভোষায় গ্রিতে আশ্রে। উপ্র-শতি প্রতি প্রতি গতী ধর্ম নয়। গ্রিত প্রাণ্ডিনা নাহি

हरू है बर की जाइ कि कमन औष एक जमा औ যার৷ দেখে পূর্ণশি প্রভাহ উদ্যালভারল কিংভা ক্ষ্যোতি ভারাতে হের্য । তাঁদের বচ্চচ্ছে: **সদ্**র ক্ষা ও রয়। জাঁদের কি কন্দুওছে ল্প। বোধ ছয় ।। ই রদশ**তির প্রদে দ্**পিহাছে রডি। রডি কাছে ভাঁহা নাহিংশার মডি।। ভান তন ভাতে হারি শালি থাসি প পুলাপি স্তাতে নাহ পতিব্ৰতা ছাত্তে। পঞ্জি এই প্রবাপর বিষ্ণি। তাহে প্রক্রিকাদি কেন হ'ব নিধি । কেন মিছে শূল, সম , নিন্দিত্য কন । বাং আনা প্ৰতি করিছ ক্ষেপ্ৰ। দেশদি, গৰুৰ্ত্ত ব্ৰহ আর নরে। কেছ স্থী নছে এছে উপপত্তি করে।। । স্থানে নানা দ্বা **হচ্চেই স্থার। স্থিদ্যা**ন জান সৰ কালার আর ।। উচিত না হয় বলা দেবের চরিত্র : ন র্চারত চিচ্চ শ্রম শাস পত্র ।।। যেই মারী পরিছরি ভ নার পতি ৷ অনা পালে: আনারাহদু সুপে, দেয় র हिन्द्र राज्य का इतकारम करता. **উत्तादिक्षी** स कृत अवस्ति ह कवि इए विचारिकीनी क्रिकारक खेललाटि करत भार তুলি মাতি পাল কান কৃত্তি হয়। গ্ৰন্থ চা কেয়ন জন গৃত গৰ্ভ কর দান। তেও প্রজুলিও কয় বাকের মির্ক! এইত তে কুদাটাক্রাঞ্চমাত্তাক চাদুটো কংসা নিজের্ব কিলাগারস্থালেল কুড়ারাকস্থার হয়, <u>ক্রেম্</u>রার কের। এ ভিকা মাধ্যবাহে **উলে নাম দেশ।** দ্যাপ্ত ব্যাহ্য 🔻 🚉 . **कुलहोड राक्ष्णा** १५० मा ११०

> নমবতী গৰা চতক নাদ্য করিমাক ছিডেছেন কাপ্যত ক্রণ করা

्रवहाँ नकल कूलाँहै। खीतहन्द्रः भवस्त्र ८५व छहन्। दे

गञ्च नुवालकू ।

ेश अहे कल में में किया करतेंगे। देश कारा साथि कि ক্রুম করিয়াছি। পূর্বের উত্তর কাল-না বিবেচনা কলিয়া नोरमाहश्काद्य खळामचा अयुक्त खानशस्ति । काकारन ্জুলিত পারকে পতিভ ছইতে চইল ্চ হার্ণ কামি उ शाशिमो (कम चक्रत विक धात श्रतिमी क'लकृष्टि शाल). े विलाग: यानि आनिकाहसुत अने आहस सदनात 🕾 াকিতাম তবে **উহিত্তে এ মেরালিকের ন**্যুক তাচা এত্বারণার কোন উদ্বেশ পাকিও না। হাছটক বেন এত লোন রণনী এডাদৃশ ভাষ বশতং যৌবন মদে মড্ড वस्क कारमार्थंत काटिया नाय्या अवः यात 📹 গ্ৰাম রখ हे তেম অকুলে কুল সঁপিতে সংহতি ৮ ৩ গী छ। भोरत क्यरञ्जर **अनुभोतन देखि छ। ७** सोनदक १८७ छ। , भीट किशासन मिर्धा जिला छ कोन अभीटण सकान াং কেবনে অংশ্যবিতা ও মনতকে বৃদ্ধিচ্যত বাবৰে আ-্জনীত ও শঙ্কাকে বিষ্কৃত্যে আদিছতা ইত্যাদি ক্রিয়াং ानक मा भरत्रमा । कात्रक भरे गर्म किया खें भरता कुल ার ক্ষক দেখিতেছি এব যিধ ভাক্ত এছেও উজ বৈ । ঠানবেৰ। ডিক্সাপাৰে অর্থানে টুকান করে। করিছ। ভি প্রথা নানাদেশ ভ্রমণ করিয়া থাকেন। ডাছাটে পানা নি. ाणि ज्यालाह साधातन भकतन है से देवस्थतीभरवंत्र का शादा-দ্বিতে পাইনে পর্যার কহেন। যে ওছে ভাই 🖃 বন্ধনা বেটা নৱ<mark>ন কালে</mark> বড় ব্ৰপণ ছিল।দেখ যে, চুক্তৰ ভাষাতে আগ্ৰ্হাসিতে নাগর কুল নাশিতে তাকৈ 🕬 খে িই এক্সণে দেই মূথে জয়ং হরি চাউ! থেয়তে পাইলো া, একগা কি লজ্জার কথা প্রনিতে গাট। হাছা এক শম্থে দেখে রম্থে হ'লি রাখিতে পারি না, বয়ে 🤃

वान्त्रम् अर्थाः अर्थे देशस्त्री द्यं क्रक्ट्रं नक्क् नकर् । भरनत व्यानः स्थानाशास्त्रहे विद्वरहः विमीन क्रिका अ त्महें इंटक्कर शहर शहर शहर द्वारियां दलाहिन का बीद ह ্লাল পুৰা **প্ৰ**ট্ডাঃ পি চ**টিডে চন্দ্ৰ**য় পাৱসুগ ছইয়া ৰাম্ব ক্লামী হইলে ডাড় কি এই সমাই সটে জানার। क्ट्र जोहें दह दवजित्क (महारा अर्थन छ्य करत । त्यह र नीए यशार्थ विमानक त्यस्म अविमे शिरवर, अलेक्स र নের ন্যায় লাড়িংকছে বুকি ভাইনের এত্ত ভারে কানেং देकर तत्न इन्हें का क्वन दक उपन के रेक्सनोद्ध हुई है বিদ্ধের নায় শোভিত মানা থাকার ধ্বেমিকগরের 🔊 পতত্র পাবেজ্যে জন্মরত রত থাতিত একবে দেই पश्चारत तम्रदात याम्य असी वर्षा वर्षकाता । क्षांत्र राज नर्कक्षण माक्रमात्र स्ट्रेटाहरहः, । ८४ क् उटन्ह त्रट ্দাবস্থার সভাবই আইন আবার কেছ কছে হায়। रेतक्षरोत् भारताच्य रव्यमः द्वारकात् ग्राका श्रेष्ठा जान नुष्क उद्यमिक व्यक्तानरभन्न कर मिन्नदार गृहभ कति। धा ে দেই প্রয়ালর করাভাতে রাজ্যতের কর্মে মগানিং **হুই**হল **মুদ্দীরে চর্মা চলিকা পভর আ**য়ে হুইয়া রাগভ अटलत कर्णत माग्न लंग्ने कतिरखर हासर कि पूर्णम ्यक करक तक्क दक कथन अ**हे हेरा**कनीत शाक्कार्य है। क्षेत्र्यत्व नागत्रभाग - देगारिनी क्यांत्व मुधा कारम लाए শ্ৰেদাই ভাগিত একণে লক্ষ্য মক্তিকায় কি আকালকা এট পাছ্। প্রজন্ন করিতেছে: ভাছা : বিশেষ ক্রমে ক দেশি। ইহা পুরণমাত্র কেহ কহিতেছে যে ত্রীলোকটি গ্রের নাড়িক্স সলিপে যে কামকৃপ আছে বেশগারে সমৈত ভাতার দৰি অর্থাৎ হোগা আছে যেতেতৃক পুৰ

मधीक मधानिका ।

अग्रत अमानिकाम त्रक्रांशित हैं लानन एकेश कामिनीत লামকৃপে বেগবতী, ছইয়া থাকে ৷ ভজ্জন্য কামকৃশে ्वनवाति क्षमर्गन रहा। देशकि निक्षिष कि कांगुण यद-क्रगांच जीवरणद्वा भूक्रस्वतः वीयालिक्षम मस्तर हिन्हा करि-বেন ড০ক্লণাৎ আপনারং কামকুপেরন্ধারি দৃষ্টি করি-एक भारतित्वक देव। नर्कक्रम खानिक वर्षे किन्तु भक्ति द প্রেমালিকন বাতীত কর্মাচ ইইতে পারে না অভ্রেম এই ्रेतक दीत शृक्ष्य उद्यमिक्स विश्वीरम दममानास्त्र काल ह প্রভাবে আমকূপ পক্ষেত্তে পূর্ণতি। ছইয়া বৃদ্ধি সেই পক্ষে পারিলভর পেঁড়ো " ছইয়াছিল কিন্তু ঐ রসগানবের বারির রাজায়া**ত্র যাতীরেকে উক্ত পল নমূহ ও পি**রীভের বেগড়োটী পচিয়া কিঞ্ছিৎ শুদ্ধ হইয়। চিন্সা এল নিগড় হইতেতে ডজ্জনা উজ মঞ্চিকারা ঐ তিম্পা গলে আন त्म क्रांगर लाग्रे जांग्र सद्ध लाहा अक्ष कति उत्ह এই বাজা শ্রুত মাত্র সকলে হাছ। ছাঁট্র ছত সরে । গ্রুত আস, ছইয়া কে কাহার অকে'চলিয়া পড়ে ভাহার নীমা নাই। **অভএব তে সাধু পুত্র কুল**টা জীগণের সঞ্জা-বস্বাই দ্বোর্দ প্রাপ্ত হয়। ইহাতে কুলটা প্রাগণে আদান্ত মুগা বিশেষ কপে আমি জাত থাকিয়া কি अकारत छ० भर्ष गामिनी इन्डेट्ड भाति अवरे मंभित সরিবেচক ছইয়া যে অসজ্জুক্তি পুনঃ২ উক্তি এর এ टकरण भाषानात वृद्धित गर्का थर्क छ भोडाटटड कोडी मुन्ह कतिराज्य रमश्राह शक्षिजभागत अममू कि वारह रव कुन है। झीबारगः शक्ति गाँहै।

र्भरणा अर्थाद क्षत्रकाणा गर्भत मूल ।

পতি গ্রনিক প্রতি ছন্তা পাতি বিশাল কাতিল।।
পানারী নাকং ত্রেক প্রকৃতি দানিবিলয়।
পাতির ব্যালি বিশালেয়েই নারা নাংশ।।
কে নারা নাককে যাত্র স্থারিকে প্রতিন দি
কুলা পুন্দ পুত্র পুত্রেল দানাধিনাং কর্মনাং
কর্মিণ নারকং ব্যালি করে আমুলাক। পুন্দ ছোল
কর্মিণ পান্ধিং পুন্দ করি করে অমুলাক। পুন্দ ছোল
বিশ্ব আদি করে মানাধানি। ত্রাসি নারক নার্দ্রার বাদ
ক্য তার। পাত্র মতাব "বেবা কর্মের লাংলার ।।
বিশ্ব তার। বাবলীর ক্রিকে তুলা

গদ্য । অভিতর কুলি বিশ্বীর ধ্যালার বর্ণনা। তালি প্রাণ্ডির কি আখিলে বিশ্বাস করিছে পারি। তবং ভারত কিছু নিবেশন ধার বিশ্বীস করিছে পারি। তবং ভারত কিছু নিবেশন ধার বিশ্বীস শানি করিয়া কুল ধ্যার মন্ত্রিশা পরি করিয়া কুল ধ্যার মন্ত্রিশা করিবা করিবা করিয়া কালি প্রতি প্রাণ্ডি করিয়া কুল ধ্যার মন্ত্রিশা করিবা পতি করিয়া কালি বাজি প্রথম ক্রিকার করিবা করিয়া করিবা পতি সেরার মর্কির ক্রিকান্তর বিশ্বীকার ক্রিকার ক্রিক

^{*} পাতিৰ সভাৰ অধাৎ <u>স্থাৰণের সভীত্ব ধর্মা</u> রাখাই পাতির সভাৰ রক্ষা করা হইয়াছে।

ক্লাবিধ লাস্থ্যা মন্ত্রী উইননা উপপতি বড়ক প্রাপ্ত -ইতে হয়। এবং কুলবন্ডীতে যদ্রপ পতির মনরঞ্জন ्विकंग करती। एकार्य क्रुनिहारकेन छर्मा हिन्न सेनई-ेवा इडेटेंड इये। अवर मान्नी मठीनंदन दय व्यकात मन-ंडर प्रोमोष्ट्र कर्ष्या ध्वेदर्ल हरेवन। दम ध्वेतात धाम ही ात्क अललादि मानोषु करमें मिशंच निर्मुक्त क्रेट्ड ার। ভবে হে মহাশয় যদ্যপি দাশীস্ত্র দানাই ঘ্চলবা াধে কেন অন্ধাক চাকুরের জারো কুক্রের ভোর দে ২৮১ র দিং হৈছে সিংদাদমে শ্<mark>রালকৈ স্থাপিত ও</mark> ফবির আন হীলতাকে অপিনি ও গকড়েয় স্থা কাকেরে সমান্ত ্ গ্ৰমুক্ত অঞ্চ। শীয়ে ওটিত ও পদায়নে মুক্তককে নিবে।-া ৬ ইছা করণে কি—েকিয়া যদি বল কুলালীগণেঃ এগণতি পদ্দেষার পরিবর্জ হয় তবে কি দতীগণে পতি দ্যাং বিনিময় পামনা অর্থাৎ অৱশাই পান। এটি ভে যে সভীয় পতি হিনাশ হইলে আর পতি জওনের पुत्र मार्ट अवर विश्वता सञ्जन" दन**्रवास का**त्रफ स्ट्राह २८४ में । यमाणि भ**िन्छाम मृद्यीप्रमेग्र इंग्र** के स्थान होता ১শস্। তালি করেন ও দৃষ্ট গণের স্মাতি আগ্রেছ্য তথাত। ।গুট মডাগণেয়া ডিলেকের নিমিকেও বিধয়। সভ্ৰশ ভাগ করে মা এবং মঙী গণের পডির মৃত্যুপাছ্ত কর্ম-সংগ্ৰুতা ৰা হবার সন্তানকা ও মৃত্যু গইকোও সভীগদনর ্টীত্ব শক্তিতে মূড়া পাঁত জীবিত ছঙ্দের সঁছাঁবলা ংক্তি উদাহরণ সতী নিবসুন্দরী ও সভী সদদের রতি ও हो माविजी ও मही दवडेंगा अमही ब्राल्मामदी देखामिर ্দি কছ যে সভী মন্দোদরী এ উদাহরণে কি অকার " ন্তবে তবে শুন জীরাম চজের এম দুক্তি আছে যে যদ-

केषि नामीत (पक सम्हामानातकिका ना निर्वतक दशक्त क्षि जीगायकी नधवाहे शाक्रिक हा के अकाहन व नक गरम्यामहोदक अकेशास्त्रदर्भ तितिके कहारनक्ष्य व्यक्तवा **एकिशिक्ट वितिध्य गणी की बालद्व खाळ्यात्र**क्षि नश्रद थाकियात मृत्याचे चारह। बात मुझी नात्री अत्वत हान কোথায় ছাইাও ৰক্তবা, কে সাধু পুক অৰ, বাৰ্জায় চিত্রভিনিবেশে করুণ। স্কেখ স্থামা সভীকে সম্ভ न्तरम शारत करतन, ल ताथा मखीरक वाक्ष क्रास्त्र तरहन क जुननो **त्रकोरक क्रिक्** स**न्धान**ियात्र क्राइन_{१ १}७ धनः नकीरक नक्षामत भीरताशुरत अवशावन करवन, में कालि । अड्यर त ७७ दिनी हेरा हरेए जीगागत चार जातिक महाभ कि खाटक सीम् वित्वक साहा मादशा र १९ ८मिथ् चात जम ांगरक (म कि वर्षक तुत्रक (स) विशेष वरा ক্তার হাইকেল সক্ষায়, ছে,ক্তায়ু সন্তান প্রতি পাতে वयाजु इ.त. १ - ८५ व्याच्या प्रमुक्ताम्ब सम्बद्धाः साम्बद्धाः साम्बद्धाः सम्बद्धाः করিছে পারেনা'ডা"বৈষ্টু বান্ধর :কুটবাদিচেও দঙ্জোন করিন্ডে অক্তন এইওবাঙালিতা ক্লভা ভদিনী ভাগিনে। ·भूफा भूको तकाठा उकार्ट याचा साथी रमस्या मानी शिद्ध लिमी रखद्र सांखड़ी गांक। लिख मानी मानाम् लिखार काएमाम् मूएमाम् ७ भारं बनावा भाषा प्रका हेला ' দিতেও বাছদৈ মন দঙোব কভিতে ঋশুক ,ভাহার সন সন্তোৰ করা হে কি পর্যান্ত বোর নবক তাহা ভাপনার সুবৃদ্ধি শক্তি ভারা বিবেচনা কর দেখি, এবং এতাদুপ্ কুপৰে ফোৰাজি জীৱনকে প্ৰৱেশ কৱাইতে ৰাজ্ব কৰে নেই ব্যক্তিই বা কি প্রদাস প্রোপ্ত নারকা ভাহাও . বিবে-কলাকর দেখি। আর দেশ আপনি স্বীয় প্রিয়সী

াপ্য শ্রেম নিধি পরিত্যার প্রঃশর র্পার জ্লানী
্রান্তর প্রায় অপ্রাপ্য প্রেমেছায় সভীর দলীত্ব নংহার
শননে মছাপাপে পদ।ভিষিক্ত হুইতে মনে।ভিনিজ্য
াবিতেই একি তদ পক্ষে শেরঃ তব । ভানহে পান্তিশাদির কি কণিত আছে।

, লোক।

সঞ্জবানি পরি**ডাজা অঞ্চবং পরি কেরচেড**় প্রবানি তথ্য মশান্তি অঞ্চবং নাট মেরহ।।

কর্মা নিশ্চিত বিষয় ত্যাগ করি যেই জন। জনি-শ্লিড বিষয়ের করে অংকিঞ্জন। নিশ্চিত বিশ্ব এয গুয়ার নন্ট হয়। অনিশ্চিত বিষয়ে চেটা নিখ্য। হয়।

গদা। ভগুবেশী এই সমূহ বাকা শুবণ মাডেই আ বার আশা নৈরাশা জানিরা জানের দফা দকা রহা •ইয়া নেত্রের পলক রহিত হইয়া নাকা আয় সাকার তে বুল্জে মূথে হাঁ করিয়া ভেলংকরে চাহিয়া রচিলেন

ए। मी अर्फ् क मः भूमृत् उत्र मस्क, पृथ्व ।

নিপ্দা। অসে ম্থে ভাবে দাধু, কেন আর পূর্ং, নিগুন্নে করি আফিজন। নিগুন্কেন করি চিন্তা, আলরেই পাছা, এই বেলা করি অন্যেব।। আর কেন দিয়ে, দো, বালকের মত কারা, অবসনা নতেতে বজনি। ভাস্কে উদিত হলে, অমনি ড ছর বলে, মুও খণ্ড জবিত্র গুখনি। বার্ণার কেন আশা, বুজিলাম কর্মনাশা, রাজি গাদ সাব মাত্র হয়। এতদ্রেপ ভাবি তত্ত্ব, নিদ্রায় শানুর জি, গাত্র দালি নেত্র মুদিরয়।। চেতন হইল নাশা, গায় বহিল স্বাশা, রহিল বিহুলে স্ওদাগর। উন্ত্রা

क्षां क्रिया केलिको कर्क, देई उदन्त विके वर्क, बीनदी कार्य ड दर्भविती। फेलाविया अश्वी घटन, या निमेशनिया नेनेट्यू रचेत्र श्रीतास्त्रक मिना शक्ति । "बेस्टल" दहेत्रि "**स्था**न," अस दवानि र शीर्त्रम, अवद्यति । हत्योः, वटन । देखि 'अहली ' देखि ভাষা, আতাঙ্গ কমিতা হয়ে, পতিক হ**ইল নিটি উল্**য হামত্ হারে অঞ্জ, পংক্ষাক শর্মা**র দন্ধ, অসহ। হই**য়া বাংগা लाहा। (मेर्ड अके विशेषत्म, प्रिमेडिशा श्रेतीयान, जाया বাংয়কপর দাহিন। একেউ সোর বিপন্ন। শতকেও , স্বর্গা পল সতীয় রজার জনা গদী। নামা বিশ্ব বাক্টা ছলে, वक्षरण्य वाका होला, द्वेषिटलम बर्डिक व्यक्ति । व्यक्षित ২০৪ উত্থানী বিরুদ্ধে সদী বিদ্যাল, শীর্ণ করি জীন আছ ट्रबरि , अतिहा निद्रा कृष्टत, चिकिले एरा कृरान, प्रतारक शांकिक गांचगृथी भी विक **भीटने अंकूनालात.** कूम कारकेत बाकारे. कुलामांत क्षितिक बेरिगर्हिन बाहिर कि वालाई, त्याशात आशहालाई, ठीकृत आर्थीक व्यव आह । छिड़ि अबिकर्य देखींने, वास्त्रत शरदाख शान. क्लमीवरम् के हें। वमसी ि हिंद्रोश यकिन था। जारक ट्यम केलि र केला, अई प्रवीको भीत्र भक्षकि । अट प्रक्रि, मर्का प्रति: Carity इह क्यें न्यूबी; सिन्दिणादं नाणाः र्खानात्वन शांत्रकृति, स्मीन छाटन गस नाती, मांश भारतं शाद शादर है। किसा किए माधुमार्छ, सकाक्ष দিলে আরতে, কার্বা হৈ বু ক্রিয়া আরম্ভিল।কেছ শর জ্ बाह्ये, महक मूलव कहते, तक्दा अर्थ तीम विमालिक । কো চক্ট্ গল-ভুলি, চেকিলেন ৰোমাইকী, কেই হ উক্লন্কবিল কৈছ ক্ষিত্রে অনুন্ত্রত ক্লেকেতে উগ্ শ্বনাথ নাশাগু কাটিল দেক্তই কপ করি, তায়, শবে প্লাকু

ারে গায়, ছলে বলে যামিনা পোছায়। হল উদয় সময়, ुर्कुर बहानस, लमतत खसाहल योग।। अन्नि मास् बद्ध कार मु. चेतिमां व्यक्ति खत्रसु, मूने शास तनर् भएन । क्षांन करमक मधी. प्रश्नि मग्रा हाथि, तत्व मश्चा राज्य 🟲 গ বছন ॥ এই বলে যতথনী, ভুলিল হাঁনির সুনি, দলে লাকপের নেড়া, কেছ বলে পেঝি ডাই, বৈষ্টাই আখাম ভাই, সাধ সেন আছু করা নেড়া চুকুটে ুসেলিনা মুখ্য, জন্মনি কমেছে মুক্, আরি মুখ্য ফিল্লাইছেড ंदर । मेर्च प्रांभ भदिरति स्वीतिसामा छ।क। कति मदसर भाका भाष कदहा। स्थानस्य ८कस्र, भटन ८६८ বাজা তেম, বংশাল, দিব তে, বংলা। এই রুপ রুকে, होरम, १९८५ मा दीएका कारम, घष्टात **खे**लाइत लग्न हिराला । ंदिन दिना तक्षेत्र, कांग्रे शास्त्र सुन हिंदी. ताक्ष्या ষ্টা, গালি লেশ্ । মালে পারেকে জন্মন, অন্যা দেল্। স রম হেম্বাম ডেলামার পার্টা মস্তাম প্রিচার বল্প राज निया, व्यानगढ्य, व्यानापि दशन द्वाराष्ट्रीन जा सार्थन লৈ সংগ্ৰহণ, সভিয়া লেখের তবস্থা প্রাক্তের করিল। ইং ভ धान जाल इर. इ.च दिल्म, अधिमालाल अस्तान ... न्य अध्य ८५(४) अकि । महनकात द्वाप का एक লাকৈ এটি, পান, ধান বিধি ভাত সাহা। নাই 🔧 জারে कटा किए करा, स्थाय युक्तक्य व मा, जीवा एकस्य क्रियन अञ्चलात्रः प्रिकर कुमञ्चल, शक्तिभाग का वहनाः অতিক কি আছে। এরপারে।। মবিং কি বিপন্ধি, আদ ्रांग कांचे पाति, दरारशतु भएन भागि अस्य । भागा নিশিষ্ত ছাপেতি, একে সাজেই নিক্সাড়ি, কলে বেন পাত শন্ত্ৰতা ৮ - ১৯০৪ ক্ৰিক্স ক্ৰিডেল বেল্বেশ্

করি, করে সাধু সংক্রেশ গমন। ফেরং বলে ভায়, দালী রে সম্বাদ, বাধ্ ভাছে আরে: জুলাতন ।। উন্নাভয়ে शहरे, हाल्य यात्र रुद्धरे, बहर हद्रावत विकार प्राकृत कामारे खन, कार म**र्थ**े भूमन्तः कारा तरम कतिलः যিনতি।। মাধাখাও কথা রাখ, যেওনা হে থাকং একে স্থা চটনাং। হইয়ে বাষের বঁগু, বিষাদ ছাড়ছে সাপু, কেন কব বিচ্ছেদ ঘটনা॥ দাণীর প্রতি রার বৃদ্ধি, িংশে হতে অ'থা শিক্তি, এফেবল অঞ্চানুদ্ধি ভৱ। শরুদ্ধের हरे अंदा, हो, की अधि अधि वहा, शांगर कारत कि वा कर ॥ লালার এলাম্ব, তাকা ছলে নানা বিধ, ভথ পনা করছে भाष्य । 11 र अच्छ द्रांम**5कां**य, प्रश्मन कतिरह कांग्र, কলাতন 🧠 শান যায় । বাদীৰ বাছির হয়ে, জীছনি খারণ লাখে, যালেনে চলগে জড়ি লাগে। স্নাং র**স্বভী**, পতিব্রতা দাপু সভী, এই করা হয় পুনা ভাগে ॥ সভীর महीद् छना, तिलावती भवता, अवनि इहेल दम्बेक्सन। हास्त्र o जिका हं। १७०म इट्टेल विन, आक्ष्म इहेल ভারাজনা। কে 😘 অধিল ভড়ে, গাণকরে লঞ্জরে, াক ভাছে কাতলি তুলিল। হিরামেছন মনিয়া, নাব। পাব পাপিয়া, পাকসাটে ডাক আর্যন্তিশা। বিষ্টিই পাউই দীয়া, স্কটিকজল কাকান্ডোয়া, ময়না মান্ত एक भावी । रेमवर्गन चलान पुक्कि, सिस्क माइब्रह्म धोष्ट्रिक, नीवक्ष लालस्माधन मूठी।। मादम প्रमाह वाक, 🕬 ठको ভिমরাজ, **ভরত** ফুল টুদী खादल्य। कत्नायुष्की सङ्ग्रंड, याहत्रमा शानद्यां छि, प्रश्नम वेमहत्वोती दमन । कलिंगि विषेशांमः कूटक धृषु लिए-রাল, তোডা হরিয়াল হাজার দয়া। চরেলে জাজলা

ेशी अभक्त जिल्लोमा कतिस्मन स्य स्म शांशिष्ठ दांशाहः। গৈতভাকা ক্রান্ত মার স্থীনণ দণ্ডায়মানং হইয়া গলবাস ানিপ্টে অফপটে কছিল যে ছে ঠারুরাণী দাদী গণেত ্রেঞিৎ নিবেদন আছে জনুষ্তি হয় পুকাশ করি। গুলামুখি শুলা**টলেন দেকি, সহ**চারীর। কছিলেছে, চাকু-াণী শুন। মাতা পিডার জনিষ্টকারিকে তথ পড়া প্রের: কি পুজার স্বেহ করে রমরতা সঙ্গিনীলগের এম দু^{ৰ্ক} ভ गृतस्य क्रेषकीयक्षांमानस्य क्षित्वय (य राजः शिक्य ্নিট কারির পাণ দিন্ট কারি হটলেও পাপাশ্রি ्र मा एपम महणाती बारहरा कबिल या रम मरलेत हुँ र িন্দ না করিয়া ঘালা কর্নের অগুড়ার জীকু গজে শক্ষ · মন্ত্রের কেশ লোঁপাদি চল্ডের পঞ্চ জুড্ডি লেশ াকলী মুওলন ইত।দি করিয়াছি। সতা ক্টিলেন ে কি প্কার। তথ্য স্লিনী বংশর। প্রযুখীর পাদে .(वा चारभाभाषु नेयस वर्गन कहिलान हमन्छ। एकः শ্ব অহুরে যজ্ঞাপ হয় তজ্ঞাপ হইয়া কলিলেন গে স্তেও ারা কেন্ন আমার পাণনাথে আনিটা দেন সেচেন্ড 🕏 गिष्ठ व छ। इ. सके वादकारमुद्र अम भुग्छ मा कर्जिस ইলে ভাষার শতীব পর্যের কথে। অদিরতা কণ্ডেল 'छादमा । चार्चाव <mark>मर्शास्त मीधु शमस्म सम्बे हि</mark>नुसरहरू াগাঁও নিগ্রু ডোগ কছ , তার নিশির ব্যাপার কাছ ক্ৰ ভ্ৰান্ত করা ঘ্রেন। ইছা বিশেষ ৰূপেই ক্কলের - জানিও রাধিব। কেননা গত নিশিতে যে ভ৺ংরেশ: ্ত্ৰ ৰূপ প্ৰবিৱা আদিয়াছিল ভাষাকে জামত: বংল্ট करन विश्वाम कहिसारह एड्ड्रमा ए० शहितर है जिल्ल াথে আনিয়া এই চুদ্ধা বেশীর ব্যান বার্ত্ত জলতাত

गणाच न्यागका

রালিয়া ছিত সমাদন করেব অর্থাৎ সকলেই জানিবেক हिमडे कला कानियारहम हेडा क्रिक माज भाने पूर्ण ক্ষিল যে আজা চাকুরাণী আপরামশা পুতেততা বড়ে প্রিমূখের আজা হইলেই **আজা বাহিনীরা জীহরি স**রিয় शिरुद्रि करत तमवजी कशिएमसे **छर्टे विमय कि।** मानी গুলের৷ কছিল বিশয় আপনার হস্তু চিত্র পাত্র: রুন্রভী কহিলেন দে বিলয় সবেনা দেখলো রভি কাফের কৃডাত সম দরাম শবে জায়ার পাশক ভইতেছে। গ্রহণামি तात अखानवाका स्थानिका शक गाणिमी नाटन जक वसी शक গমনে রসরাজ সমিদে শাঁতে। শুখাতো করিলেন। এখানে ক্রক রাজে। রাজপুছ সান করে বসু সহকারে হকান্তার वर्ष करते स्थान कहिएउर कट्टी अटम्सः इहान, जानस्त বাজগৃত্ব গাড্রাথান করত আশ্রহণানিত চিত্তা করত। কান্তার বিরধানতো এলেবর **শুদ্ধ ত**রুবর পুরু উভাং হরে প্স্লিড কাছে লা বে বছয়র বায়ংরত হছ ছত্র उर्धाहित व सम्रामह प्रकार्य महान्य श्रीष्टिक कहेंग में जो बाहम काछि वास किरिन्नाबादत थात शिकामन आहर উত্ত গুড় ইভাদি সূর মির্গত করিতেং বাসীর বাহিতে অংশ শাল নিকটাবতি প্ৰেপ্লোলে মহেশ মঠ পাড়িতে অধাং শিব নন্দিরের রোণাকে গাত চালিয়া ইভনুত ल्थित शर्थाय इतेकरि क्रिया थाकिल्य एक्सकत कर-काल विकारत स्थाक लाख्या उत्तर की ए काविया देशर शाय-লগুন করিয়া আপনার শর্মরেজিয় পুভূতিকে কি কণ ভংগিন: ক্রিভেছেন ভাত্তিস্তম্মক প্যার প্রলে নিবর্টা र हेल .

নীলকামের ইন্ডিয় ভর্মনা ও পির: পাশে যাত্র:
ও পি্যার প্রেরিড দাসীর স্থাত সন্দর্শন
ও তথ্যমাপে গ্রম :

অধ্যেমক প্রার। মনঃতব ব্যবহার, এতাবে কেন্দ্র নঃ গোহনীরে ভুলে কৈষে দিলি মনগা চিত্ত ওব জনে। ছত শামার ফেলা কারে। সে ভাবে অভাব হয়ে মিট্ ভাব কারে।। কার বৃজ্যে রহা বৃদ্ধি রোজা হই এই। কেরল ार्न्डा एए। कर रहे रहे । कामदा किकारम सुरल हिन ष्टिकाम । कि छे बद भिटद गाउन सन्नाष्ट्रीटद कामन नोक-कि प्रतिदात कांत्रमा । द्वाधारा एक्ट एता द्वाधार প্রিন । ইজে, র র্রে হিজেন কি আতে চারে মহা, নির্ম वेदक कुरियो भटक एकर मध् । इम्यदेश कि शतक काञ्च पुरश শো পাবেল। বৃদ্ধি নাহিছি ছবলী যাল ব্যক্তাইন লু প্রেল পরা দেশনা প্রায়ের ভারত হার্যের তথ্যার । একং রি । ভার্তিক পান) ভারে ভারেরে ভারুবের মুলগা**ট**র *ভারে* জুলা নার্ছি াম - দে শ্যামুখ্যত পূত, মাজটাল পান ৷ কি সুকো ৰিছ এক কি মুধ্যৰ লগত কলে কৰে৷ ছৈত লাভিত ংনে ভেই। ব্যেষ্য স্থিত ভাইছে নিছে। আছিছে পুস্ত । ভাগতি প্রিয়া তাকা হৈ লম শ্রেক। কিরছে সর্ভে আনে ा तब ५७ - शिक्षमी अभिद्रम युद्धि र त्व ऋषाङ्क । करत्य . कर करो ७८इ शांककर । काद्र शांद्य गक्षि ४८न ८१ शिए 🗈 ५कत्। **कि सरम** श्रीष्ठ शक सम शरकर्। मा क्तरल দার্পণ প্রিয়া রাজা পাদে । কছে দেহ জাল্ব দেহ সহাত্র 'বল ৷ একতার হাও প্রেম পামান বারণ ৷৷ দেখাহো গ্রন ার শ্রু ভাবে সর। জীবিত হইয়ে একন হই তের পর।। রি ভাবে ঐক) হলে থাক যদি সুসতে। আওলা সরলা

বালা কত জালা সবে।। বিবাহ অবধি শৃতি হইয়াই अम । देश्य कि ट्यामांत्र तक् शरक्ष्य मुम्रा। हिहिर हिहिर ছাড় দ্বেষাদ্বেষ ৷ সম ভাবে সবে চল যাই সেই দেশ 🖟 कारात कतिए किन कूमन मरमा । हेराए७ किवल ऋत হতেছে সন্দেশ।। ছদয় তোমাকে লোকে কছে গর্মাশীল। ভবে যে নিদয় পুরি হইয়াছ শীল। রাজপ্ত সকলে दुवाश अहे राष्ट्र । किंखु दन र म्हर मना छातिए। हमकाला । প্রল বিরহ জালা নাপারি দহিতে। চুপি রায় ভাকে ায় ঘোটক সহিতে।। আজা মাত্র সমূথে সহিস অগ্ १५। नायकार तर्ष पुदा जान एव हयू । जमनि महिश শীলু যোগায় তুরজে। মৃগং। ছলেতে যান ভাজে চ**তু** রক্ষে । না জানিল রাজা রাণী এসর ব্যাপার। চলে রার ভাগার বিধি করিতে ব্যাপার। দৃশ্যাদৃশ্য তথ্য **রূপ যেন** ८ छा छ था छि । दित्र र कृष्णिश ८८८५ । छाणा हेन वा छो ॥ নত দেশ যায় নিজ **রাজ্য পরি**গরি ব্লাণ্ড গুল বান हित शृह्य इति।, महमर बहन शान शान शान मिल इति। প্লারিতেনা স্বতেতন থাকিলে পুহরী। প্রাহইয়ে সদা কেন ए दिश शांत । अक्षा करित काग्न हति हति ।। तान भू व না ছেরিয়ে পেরূপ লছরি। পাণি প্রেট বলে দয়। করা হে শ্রীহরি।। দেখাও হে স্বপনেতে দেখিয়াছি হায়। এই কণ বলে আর মহা বেলে যায় ৷৷ হেন কালে সহ-हाहो लए। कतिवत । मभूत्थ मिलिल পথে यथा वत्वत ॥ ° আশ্চর্যা ছইয়ে রায় করে নিরীক্ষণ। ভাবেকে মাতঙ্গে अन ce ति नित्रक्तन ॥ अहे कल्प हिस् । किस करत पृष्टेखन । মনে করে সুঝি মিলাইল দেই জন।। সুসার হইল বুঝি অর্প্ত অশে। আশার হইল বৃথি পরিপূর্ণ আশা।।

্রীনাছে ডির হয়ে গতি করিতে নারিলো। সাধু ব**লে কেব**। তুমি করিতে নারীলো।। মন গত ভাব দাসী বুঝিয়া আ-ভালে। পরিচয় দিল ভারে অমুভের ভাষে ।। গুনিরায় সস্তাপিত প্রিয়া আবেদন। ছোড়াহৈতে পড়ে গনে পাইয়া বেদন।। য়পন ছইল সত্য একি চম্ংকার: প্রিয়া কট ভাবি রায় করে হাছাকার ।। উদ্ভূ হাতে বলে কোথা অণ্ডির গতি। পতিব্রতা হয়ে তার এতেক দর্গ-তি।। তোমার কি দিব দোষ দৰ দোষী আমি। কিন্তু প্রভার সির আমি নহে আমি ৷! এইকপে নানা খেদ करत धरावति । कति रेग्यल गांवि भागी करत धवासति ।। অনুমানে কাঠ্য সিদ্ধি জানিয়া যুৱতী। বলে এফে ডলঃ হথা রস্মতী।। কান্দিলে কি হাবে কল কান্দিছেন ধর্ম। দ্বারার শ্বাকার ছাছাকার ধুনি।। মিছে থেক কেন প্রাভূ হাত অনারত। উজ্জাপন কর লিয়া সভীজের ব্রভ i ত্টি ভূলে আছু নাছি ভোলে • তব দতা ৷ প্ৰিব্ৰভা ্রাজো তার নিয়ত বস্তি।। উঠিং কেন আর সিসারে भगरम । इल ८० श्वांके निशा तमनी ल्यरन। मामीत्। াকো স্মান্ত হয়ে নীলকান্ত। উচিয়া বসিল যেন মণি নিলকার। নয়নেতে অশ্পাত প্রিয়াং করে। অঞ্চলে नमन मागी गृष्टां हें भ करते ॥ ब्यायनिधि मान व्याख खरी-েড করিছে। দাসী সহ উচে রায় স্থরিতে করিতে॥ গজ রাজ পিছে লয় বাজী বন্ধি করি। প্রিয়া সেনে অভি ्वरत हालाईन कति।। याईप्छर मानी मन्तर छाटर । त কেনে কেমনে লয়ে যাই অনুভাবে।। কি জানি যদাণি রমী বলে এটা কেটা। তবে এ দাসির মাথা বাঁচাইবে क्टो।। अटलक छाविया मामी गुष्टि भृष्टे करते। পরিচয়

তেতৃ বসবাজে ছল করে। অনুভাবে বুঝি রায় তার হমনন। স্বাল্পেলেইনি তার সম নন। দাসীবলে
বার পুল কুদ্রিরে বিনাশে। গানা কুট মন্ত্র থেরি ভাবে
অনায়ালে। এক বার কুলী হৈলে বোজা আব বার।
অস্ত্র কি হারায় যটি আর বারবার। নীলকান্ত বলে স্থী
আছে মেন শোনা। কন্তিতে পড়িলে জানা যায় তাঁবা
সালা। চুমুক প্রস্তুরে লোহ করে আকর্ষণ। থাকে কি
প্রচন্ত তাপ হইলে বর্ষণ। ভূতনাথ পদ ভাবি কহে ভূতনাথ সান্তহে নাগর তথা নাগরী জনাথ।।

গদা। এখানে গান্ধার নগরে রাজা বাণী রজনীর বিধান লা জানিয়া কেবল এই ছালেন যে লগেনা মৃহত্পি পান অর্থাৎ দুই দশু বাত্র পাদিশে গানেগোন করত লগে হার্থাৎ দুই দশু বাত্র পাদিশে গানেগোন করত লগে হার্থাৎ দুই দশু বাত্র পাদিশে গানেগোন করত লগে হার্থাৎ দুই দশু বাত্র আবার আবার আবার হার্থান করি হারে । তেনেক রমবারী পাতে তা বাকাই স্থানা করিয়াতিলেন, ওলনমুর দিশায়র নিকর অন্যান চূট্রিনার করিয়াতিলেন, ওলনমুর দিশায়র নিকর অন্যান দ্পান্ধান করিছে ভারত ভারত ভারত স্থানা রমবাজ সহিতে বাজিলা। এওবেলালে রমবারীর দাদী রমবাজ সহিতে বাজিলা। একিটি হার্যান লল্পান হার্যান মান্তিই ব্যর্থান নিব্যান স্থানার সজ্জায় পার্ত্তিলেন। অপিচ শহাটারী গণেরা সান্ধান সজ্জায় পার্ত্তিলে।

রুমরভার সক্ষা।

পঘু জিপদী। পৃকা দিন প্রায়, সভীরে সাজায়, গতেক ফ্রডী আসি। করে নানা বেশ, অংশেষ বিশেষ,

गडीच मुशामिश्रु।

্ষ। আনি রাশীং।। হারে ঘেরি গলা; যুটিতে মেথলা, পটতে আটিল দাসী। ধরি কুচকলি, কসিতে কাঁচলি, भरत भिष्ण जुला वैशि। श्रनांनि यसुरक, निल स्हारक? ্যথানে যেকপ নাজে। কিবা কর শোভা, রতি পতি .লাভা, বিজ্লি চঞ্জা লাজে।। একেন্ড সেৱপ, কটিসুখ কুপা, বিনা ভূষাতে ভূষিত। অক্সণে কিরণ, দিতে বিভরণ, ्यन १८४८६ উদিত।। तुसि मूच मनि, दश्दा हिल अनि, मृत्वा शांकि त्वान दित्य। छाट्टे बत्यर, यनः अजियातन, ক্ষয় হয় দিনেই ৷৷ দে অঙ্গে ভূষণ, কেবল দূৰণ, সুংশাভন নাছি পায়। জালক যেমন, করয়ে লেগন, শিব সুগা উমা পাছা। দেইনপ ভায়, সকলো সাজায়, হাছা মনে अरम योतः शास्त्रित मञ्जल, कतिएक उत्तरन, खर्छ हैरो ্লক্ষার। মহে কি শক্তি, হিরা গ্রন্থমতি, প্রকাশিতে নিজকর। কণ্ঠহার ছলে, আরোহিয়া ছলে, সূনে দাঁলি-বাছে কর।। কেবল এথোতে, রাখিতে এমতে, ধরিয়াছে नाना माज । स्वतंत्र अलाप्त, श्रीमनी अलाएड. मान করে দিবা রাজ।। নাগায়র ভাষ্, নাছি শোভাপায় ্যন অনুজ্ন শশি ৷ সেজ্ফ **উল্ভি**, সদ পতি সং গামি বড ভাল বানি।।

। ধদা। পরে এইকপ সজ্জা করিয়া রস্থতী সাজ্গী গঙ্গে রক্তে ডাজ তাগনাথের আশাপথ চিতা করিছে থাকিলেন। এখানে নীলকান্ত মাড্জ তাজিরাভুর্জাকটে দর্জ লোচ্যার বিরহালোচনায় সন্মলে চ্টিডেং শক্তবালয়ে স্থাগত হইয়া অন্যান্য ব্যাপারান্তে ই'ন ্যাহিনী মণ্ডির উপ্ভিড ছইলেন।

রসবতীর পাতিসহ লীলা।

পায় 📆 । রসরাজে চেব্লি ভবে যাত মধীগণ। অংকি সাংস্ত প্রণমিল হরিয়। চরণ;। আগচ্ছ আগচ্ছ তলে করে नहायन। वर्मी मक्षा दरन द्वन दाकाद नमन।। श्वरतः ृंगी छ। क्रम बडेल मरात । छेपलिल ८ अप मिस्र महि পিয়াবার।। রস হাজে রসবতী হলে করি লক্ষ। লোচনে লোচন রাখি স্থির হৈল পক্ষ।। নীলকার প্রিয়া মুখ করি নিরীক্ষণ। মেতে নেত্রে সমর্পিয়া এক দৃষ্টে রণ। উভয়েং ছেরি মোছ উপজিল। উভয়ের শ্বির নেত্রে নীর দেখা দিল। নীলকান্ত নেত্রে যেন নর ঘন প্রায়; ঘনং রবর্ষ পরকারিজুলি **খেলা**য়। <mark>অধর ভীতিল ধার। নেজে</mark> নাছি পরে। চরণ আজিত হৈয়ে পড়ে ধরা গারে॥ সভীব ্লাচন যেন সজল নিৱদ। খেত প্ৰাক্তমেং হয় লোক-নদ !! আ মাপতি আগর হইতে নুয় জাল্বা। মোহ কাপী ভগীরথ আনে যেন গলা।। তৈয়েছে সভার নেত্র ব্রহ্ম ন্তি প্রায়। নিমু প্রুক কনুগুল শোভিতেছে তায়।। সেত <mark>নীর কপে ফেন জবে</mark>মহাপায়। কুচ কুছ শস্ত্ৰায় পরের মাথায়। রাখান্তর কাচলি ভীতিরা অবশেষে। নাভি বংগ মহাবেরে ক্রেমেতে প্রবেশে। সভাবে স্বর্ণ লিরি নাজি যে সারর। এই চেতু বিরি চইতে পড়িছে নির্নর ।। তথা সউতে তাতি সুতে জানু বয়ে যান । মনে হয় জাক্ষুণি করেছি**ল পান।। হা**ড়ে রজা। থারে হা**ানে** নাতি পান। ভেনগুল সর্টা চল্লে আমন্দে থেলাম।। ভাই বলি পতি ভল্তি কর সভীগণ। খাঁরে ইচ্ছা জ্ঞান চল্চে পাবে.দরশন। এই কপ অপরপ হেরিয়া উভয়। স্থির নেতে চৌন ভাব বাকা নছি কয়।। কিকরিতে কি

শিছ্রি শর্করা। রুদগোলা রুদে ভরা পাস্ত ছানাবড়া।
গুলা থইচুর ফেলি গোলাবি পেঁড়া। পায়সাম নানাবিধ
শিপিন্টক কচুরি। বিবিধ ভাজন ছোকা লুচি কারি পুরি।।
গুডাক্ত রুশক্তি জব্য এই রূপ যত। ফল কুল আদি
যোগাইল কতশত।। তবে ব্বরাজ সহ যুবতা লইয়া।
গাদ্য ক্রিয়া সমর্পিল আনন্দে মাডিয়া।। পাল করে ডহুশাদি তমুক্ট পুম। দুখা গণে আরেম্ভিল গাঁত বাদ্য হুল।।
স্বিগণের লুভা গাঁও বাদ্য।

লগু ত্রিপদী। লয়ে নানা যন্ত্র, করি এক তন্ত্র, করে পুর সম্বাদন : কিবা পাধ্যাক, অসয় আও৷জ, চাটিতে कारहे ननन ।: त्मलाब लघुत, राटक मुमधुत, धूँशुति াধরি ভার। অতি থরতাল, বাজে শর্ভাল, দারেছে डाविनो भाषा। स्माहिनी उथन, जीकरण देशन, दक्तिनी इलिएइ ए। व । कि स्थाङा यिभएत, वाकिएइ यंनिएत মানিনী দিচতছে মান।। কল্যাণী ড্বাছায়, কল্যাণ স্তানায়, পুরমা গুরট গায়। গাইতে:ছ গৌষী, পুরবির গৌরী, নাড়ে ভাগ দিয়ে ভায়। কেদারী কেদার, গাইডে (मनाव, क्याबी कामन करता शख्दन देखतरी, शांश्रेद्ध ुलतदी. मालाठी भागकाय धरत । क्रम व्यक्तिहारः, ্রাইছে মোলান, কেছ প্রকাশিছে ট্রী। কেছ অভিয়ট, ায় ছায়ানট, কেহু খট বাগেশ্বরী।। বারোঁয়া প্রতে, ে কল বা খায়াজে, জয় জয়ন্তী শ্রীরান। সোহেনা নেহারা, वरु निक्न गांता, यान्ती विखंड तरहात । विह्या ানাড়া, কেহবা কানাক্ড়া,কেছ হায়ির মুদ্তান। বাহারে াহার, মরি কি বাছার, বসস্তে মারিছে ভান।। রাম

কেলী ভায়, ক্ৰমেন্ত যোগায়, "দীপক গৌড পলালপ रेकेंद्र व्यक्ति करा, हान माउर, त्नारव नानिक विकाध । करत क्ष लाम, मध्ये कर खाँग, खाँग एम्स खाँच्ये । कराब बेलकायुः प्रजी व्यानकारु, मुख्य कर मध्य विद्या न्याकः भति निरतः, फेटिंग श्रीरद्वरं, याहांशा मार्ग्य व्यवीना । ७तानरण गंगी, त्थलार किंगेर, शाकिंगेर शिना।। त्करक ८४७३ ७४८म, रेश्टाहेड टकड् त्वरमः मृक्किश्रेर प्ना अप्रकादर, धाना स्वरंतर, <mark>छाल छेटों छाना</mark> नांना ।। का भानि वाकिएक, आहा कि नाविएक, दबेबदा दमानदन क्षांटन । करत कछ श्रीष्ठा, दमामाहेरत श्रीष्ठा, क्रेमरकश उत्भ । পর্বন থেমটা, শুভিয়া ঘোমটা. কেছবা করেকে পরি। আড়ে ফিরেযায়, আড়েং চার, হারং বলিহারি। . भागः (७७) नहा, किजिबूहे राज्यः, साथाक ্তেথাকে। নাম। পারেজ নিয়ত, বেছাগোর গত, পালিছে লারিরা ভাল। মাডিয়া ভালেতে, হেলাতে হেলাডে ্টিংও নহেক **উনু। পদেতে মধুর, নূপুর** গুণ্লুর, **নদ**্ ি ্ৰ কণ আৰু । হেলাইয়ে বুক, ফেরাইয়ে মুখ, ধারে-ार था छ। दिश राष्ट्र जुलि, हत्ल एकिश, कथन दा छन्छ ্তি 🕛 আরু কোন ধনী, লউ পটি বেণী, চিতাতে প্রেড্র এরা ৷ বড় বা লাচিছে, কড় বা উচিছে, মরমেতে ভাল ার: ৮ কিবা মাথানাপ, মনোছর ত্তপ, যতেক ঘরতী গণ टा डिटलांडमा, ममृण উत्तमां, मृख्य करत धनर । · ৬) ছেরি রাদ, স্বঘনেতে চায়, কামেতে হৈয়ে পাঁড়ি ভা নতী বল্লে হায়ে, যে দেখি ভোমায়, কর পাছে বিপ शेल । नदतम सन्तर, करून उपन, स्मिथिक चाड़ ि ্লার রস্বাছী কয়**, শুন মহাশয়, জঙ্গলা মানে কি**

সভীত্ব সুধাসিষু।

রসবর্তীর পতি শুভি উদা।

পিয়ার। দভীকছেপতি প্রতি এ আর কি বসঃ
তি চুরি করিতে কি হৈলনা আতক্য। নিদ্যুতা জনেব
্দু৷ না করিয়া ভক্ষ। কেমনেতে বিবসনা করিলেকে
কা। নাগা ছই বলে সুঝি করিয়া উলাক। মন সামে
মনাযাশে ছেরিলে সর্ব্যাক্ষ । মধুয়াদু সামে স্থা কলে
বি ড্রু। ছেলায় করিলে লক্ষ্ণ পর্বতের শভ্য। সলোক্ষ ভালার করিছে আর্ত্রা প্রায় করে য় উপায় মক।
বে প্রত্তা পায় ভার আশা ভক্ষ। অনুমান করি
কি থাও গাঁজা ভাল। নহে কেন কাঁকি দিয়া কর বল
কা বনেং ফিরিডে ছে চালিয়া কুরক। ধন্তে বলিডে
ত সিহুল প্রক্ষ। ধনু মারা রাথে নাজি দয়ার প্রকল।
গলা ভার আছে শথা নিষ্ঠুর অনক্ষ্য।
কা

প্রত্যরর।

া পথার। নীলকান্ত থলে পিনে তাত জান পাই।।
বিজুপ্ত অনম অজি দবে দের কটা। নারে কুরং আরু
বিল মে দুটা। তাই করি হেন কটা কেন হও কটা।
বির মার হৈতে তব লোচন উৎকৃটা। নেই জনা নালি
বির নিদার অনিটা। কি জানি পুরদী হাদি কর ধর
দুটা। তবেত জ্বালায় জ্বালা বাড়িবে অলিটা। সহিতে
পারিব কিনা কটোপার কটা। দেই ভয়ে তব নিদ্যা
বিহি করি নটা। ইংখ যদি হৈয়ে থাকি দেবেতে পুরি
টি। ভাল মদ যাহাহ্য করলো নিদিটি॥

রেশবভার মান ও মানভজ্জন ও নালকান্তের সদেশ গ্মন। প্রার। রেশবভী বলে কি বেলিব র্শরাজ। হারন

क्तिए उर नारि देशन नाक। हाहित्न कि ल्यां नार्ट लान लिम रें। क्यांन निविज शक्त शाहरलाइ मधु।। रघरोट्ट निडांस उर हरून अभिनी। सिक कड़ नार अरह বধ্ প্রোসিন্ট ।। এত দিন ধরে রেপে লক্ষণের কল। अक्टरबट्ड विनक्षन शाहे खांत कना। स्वटल कहिला मर्गा जकार्या मरूल। आयाद इहेल कल दकरल विक्ता। ब्राटक तिल्याः अनी कति चार्चिमान । चञ्चरत्राट मञ्जूतिया नायक श्वरहान ।। योनज्ञा जुडी देशस मगु भिरत तंन् একপ ছেরিয়া রায় ধিহেং কন।। কেন পুাণ অভিমান কর আমা পুতি। অপয়াধি হই যদি তবু তব পতি। মরি তাপে লগুপাপে গুরু দণ্ড হয়। বল প্রিয়ে দেন প্রেবকেনভেরয়।। রতি চ্রি ছেন্ট্র ইথে এত অভি খান। চতে ফিরে দেই ফিরে মান তাজ পুলে। হাই দিমে লছ প্রিয় পিরীতি রতন : প্রতঃ ফিরে লগ বদন গৃষ্ধ ৷৷ পছ পুাণ আঁলিজন মুখাম্ভ পান ৷ দেই ফিল ু পূাৰ ভোৱে লম্ভ এই পুৰি ৷৷ ইথে যদি অভিমান লাঃ 🌬 া টুর্। দ্যুর ভরুরে দ্ভ কর্ব ভূর্।। মন ডেগরে ব'যি द्राय क्रीम का बादादब्र। क्रोंस्क शब्द हरिं कर खाद्वर : न्य प्रस्क प्रश्न पिदा कुछ जिति वस्काः अस्म स्पष्ट अ ের ী ফে করিবে রক্ষো। ভুক্ত পূজ্ঞম পালে রাখিং এবরে। কেশ অকেষ্ণে কর নিডয় পুছার।। ইত্যানি কিবাৰ ক্ষান্ত নালি হও পুৰে। অভয় পুদান করি চোট কর ভাগ।। এত বলি ধরে রায় পুরসার পায়। দেকিএ निव दनी शरफ शिंठ शाह ।। अक्लाम देश्वर शहर भाषा किन वक् यक भारत क्लियात चाव।। कः व्यथनाभ यान निया शासा कर व्यथनाथी मामी व्या

পদেশ। তব স্থা বাকে। অন্ধ হৈল হে শতিল। অভিএনান অনুরাগ পেল রসাভল।। এই কপ রস ভাষে নিশি
অবসান। জলসে অবশ দোঁছে দিবা নিজা থান।। সমত
গাইচা ভবে হং নিদা ভক্ত। আহার বিছারে বদা অনক্ষের স্থা। এইকপ কিচু দিন ভখাব বিজ্ঞা। হদেশে
গৈলেন রায় সলো লয়ে প্রা।। যোড় করে ভূতনাথ
করে নিবেদন। পতি পুতি দুচ ভাত্তি কর গতিগ্
শব্ পুতের অভাবে ভূদিয়ালনার পূল্ভির

चा उक्तिम ।

भवा : इंप्ल्यास्य वे इवादनी मध्य मुख्य स्थान -শ্রের মোহিনী নামে উছার বনিত। ইতার সহিত একা চন কাল্যাপনে রহিত হইয়া সার মনে কানেই নালাহির চিন্তা করত একাকিনা দুংখিনীর ন্যায় থা কলেন। প্রে শ্রবারশ্য হওত নভোমগুলে মগুলাকার স্থাকর নিকর করে প্রকাশে বিরাজমান ছইলেন। তর্গর ঐ কুলবালা িরজনীকাল কাখ সদৃশ জানে ও মদনের পঞ্চলরে কোঞি বের পঞ্চয়রেও মদ্দং মারুৎ আদিয়ানে গুরুং থবং কয়িত ু কলেবর ছইয়া চিন্তা করিলেন যে আদার্কার দিবা কটে कामिहेलाम किंदु निमा कामेहि नास रहेल. धानास यात्र एत्रको कालाती विशेषन वृक्षि घात विवय कान्या 🔓 निম্পু হওনের সম্ভাবনা হায়ং উপায় কি - 🗯 েপ্রম , নাবিক আপনি এ জীন তর্ণী পরিত্যান গৃহৎদর কোন তরুণ তরণীর কাশুরৌ হইয়াছ, ভাল ছঙ্ং পুথে থাক अशास्त्र अमानी नुषी वहाँ, खाश साल थाक सालदानि প্রত্যাগমান সমূদ্য হাইব। এতজপ হাহাকারে প্রতি

त्रभनी असारण कर फिन आसारण घरमर किसा कदिरलमः

. अ व्यवसि क्ष्मिति अमानीया कृतिया दर्माशास ब्रक्ति-लम कि काशांत कूबरकरे পড़िलान कि आमिरे मरनामा সহি ইহা ভাবিয়া মনোমত অঞ্চনা দলে রুতিরভেট বা নাতিলেন ভাষা কিচুই বৃত্তিভেনারি কিন্তু নারী মইয়াও এবয়িষ পোড়া পোড়া নদনের পোড়াডে আর প্ডিডে পারিনা: এবল করে চিন্তার্গরে মৃগ হ্ইরা **আও উপা**র श्चित्र कडिल्मन । य द्वामीत निक्रों **ट्वान निवम क्ल आह** াম প্রী গণেয়া উপপতি প্রাণ্ডি করিলে অন্তান্ত ল্রাতি গান এবং উপপতি গতি অপেক্ষা ভটিক মেছ लकाम भूजिय ये उपभुष्टी निशक राशके लाभ राजा। यवर ः त्रमणे त्रकास जिल्लाका कारस त्रीक महासा লারেন ডাহার বৃদ্ধির ভীক্ষাভা অভ্যান্ত**ন রূপে ন**য়াদন হয়। चार ११७ शुक्क ग्र^{म्म} कदिएन खीत्ररवद्वा ८घन वन भौगे प्रश्नी शारियम । अञ्चल अके मुक्न दाशिरत दर कि मूर्व दर्गशीत ভাষ্য অমেদু অগোচর। **কিন্তু দেই** বির্ণিণীর পাঁতা, ্ণায়ক অস্তাহ কৃতান্তু সম দু**র্দান্ত বসন্ত** পতি সইতে ুনি কামাণ গোচর ছইল। ইত্যালোচনা করত গৃহ े हेटल निपंत रहेशा है जन्नु ज जातानाका करिए आदि ল। হেন কালে বন্ধার প্রাক্কালীন সেই পামের গাম। কোটাল খদিরাম দদা<mark>র ঐ পথে গমন করিতেছিল। তথ</mark>দ যোহিনী ঐ কোটাল প্রকে দশন মাত্রেই ভাবিলেন যে কেন আর কালান্ত কালের নাায় কন্দর্পের দর্পে পাণান্ত গর এই কোটাল রড়কে যড় করিলে এই পাপ ফর শরে অবেদর পাইতে পারিব, স্তরাং ইছা ভাবিয়া ঐ গ্রাম্য क्वोडीनक होगानस मकिनांक डेनांक ७ वक स्ट টঞ্জন দটি করত কহিতেছেন : হাঁগা ঘর শোভার দাদ্

क्षा कर्मात स्वामादम्य वाष्ट्रीदेश अनना ना। अमिताम कहि-লেন কেনগ।। যোছিমী কছিলেক ওগো আমার একটি भूषा चाह्ह कांग्रेश शृक्ष कहिलन छात्र अहे गातिह 'भनांगा। याहिनी विहालन तम खरि लांभन वर्ष, हेहा লেয়া ঈবদ্ধান্যে ৰয়ন ভাজতে ইজিভে রুঞ্জে স্তুনন্য নগান্তর করিয়া পুনঃ **অম্বরে স**ম্ভব ক**িল অর্থাৎ দ্**রুল । চ হইতে বস্তাহরণ করিয়া আবার আচ্ছাদন করিল। থেন ঐ পান জনীর জনম্বয় পুদিরাম দর্শন মাত গাত ार्दियां यक्त याक्तत्र यञ्चा পृष्क कटला करे ক্যে পুলোলে মোছিনা সহিতে কটিতে কটিতে পুৰেদ हिल। পরে আছিনী অমনি নির্লম পাইয়া নিজ ্+ালকে উচিয়া কোটাল প্ল নজে রকে ভলে দূচতর 'বাংস পুগাঢ় আলিঙ্কনে মদন বাণ ছেদনাঙ্কে অতি मुद्धा गरेटलन। ख्यारहां करे। (मांक।

নজীশাং মপুিয় কশ্চিৎ প্রিয়োবাপি নবিদ্যুতে। গাবজুণ মিবারণা প্রার্থয়ন্তি মবং মবং।।

অর্থ। প্রিভেরা ইছাই কহিয়াছেন যে স্ত্রীগণের পুষ্ণ কেহ নাই, প্রিয়ন্ত কেছ নাই, যেমন গরু সকল নিতে নব নব হাসপার্থানা করে সেই ঈপ নূতনং প্রুষ প্রীগণেরা প্রথিনা করে।

এবং পুরুষও ডজ্জপ। পশুডের। কহিয়াছেন। শূোক।

নাগু মৃপ্যতি কাষ্ঠানাং নাপ্রানাং মহোদ্ধে। নাস্তকঃ সর্বাভূতানাং ন প্রসাং বামলোচনা। অর্থা কাষ্ঠেতে অনুষ্ঠ কভ নাহি হয়। নীচ্যা ম**র্লাডে জ্লুনি**ধি তৃথ নয়।। পুরণিতে নাছর তৃপ্ত য**়**। মহালয়-। পরাজনা পুরণিণে পুরুষ তৃপ্ত ন্য়॥

আবং ঐ কবিভার ভার্থ ত্রীদিগের প্রেভিড ভারন্ত্র, হয় ভাছা গদ্য ছন্দে নিবন্ধ করিন্দান।

কাঠেতে অগি তৃপ্ত হয় না নদীনে সমুজ তৃপ্ত হয় মা সমস্ত প্রাণিতেও যম তৃপ্ত হয় না পুরুষেতে ক্রালোক তৃপ্য হয় না ইডাাদি।

CTTT 1

সায়ঃ গুণাশুরং কীর্ভি যুতঞ্চ কান্তং পতিং রভিজ্ঞঃ সাগনং যুখানাং। বিহায় শীঘু বনিতা পারং নারং এযাতি হানং গুণ জাতি বলৈং।

শুণাধার কীর্তিমান সুক্তর বরণ। রতিবিজ্ঞ ধনবার ওরুণ যৌবন। হেন পতি তাজি শুণ রূপ জাতি হীনে অকাডারে রতি দেন ধকল জীগনে।। অতঞ্জ ইত্যাদি।

পরে ঐ মোছিনা সারা নিশা নদনোহসবে মনত হাইনা প্রাক্তে মৃত্যুবই হাইয়া পুদিরাম বাবুকে বিদালিলেন। তথান উহুটাই প্রভিটাই শকে চটাইদার পুলিও ফটাইই পাদুবার পুলিও ফটাইই পাদুবার পুলিও ফটাইই পাদুবার পুলিও অটাইই হাসিতেই ভারিছে যে আ এ পাড়ার মধ্যে লোচ্চাইতা আমি। মোর কর্পাই রোগে গুলাই মধ্যে লোচ্চাইতা আমি। মোর কর্পাই বিদ্যান ক্রিয়ে হাইনি ও নাথা ছিলিও তাত্তি তাু দাঁতে মিসি দিয়ে হাইনি ও নাথা ছিলিওটি কাটিনি, আথি ঠেরিনি, হাইটক মেয়ে নামুষ ক্রেপার ব্যব ক্রিতে পারি। কিন্তু ব্যাপ দের বৌটা এবা উপরপত্। ছলোনি। ভালো যাক দুদিন হতে হতে হলা, এখন নৈতুন রুলটা দিন কতক প্রয়ে নিই। গ্রহা, এখন নৈতুন রুলটা দিন কতক প্রয়ে নিই। গ্রহা, এখন নৈতুন রুলটা দিন কতক প্রয়ে নিই। গ্রহা, এখন নৈতুন রুলটা দিন কতক প্রয়ে নিই।

শৈ ভাবিতেই যাইতেই নাকি সুৱে একটি টপ্পা গাই-তংহান দে টপ্পা এই।

তাল খেফটা। রাগ চভাল। ছোকরার পীরিঙি লুকরী ভে**চির দে**খাবো। भूते। धन्ना धरत्र भारतत चरत कठेशरहे चौ भानारता ।: এই কপ টণ্পাটী গাইতে : তাটী গ্মন করিলেন অন-न तकनि तथारन अं रकाहील नांगत मछनांशत नांगती খাগাৰে উপস্তি হইবা মাতে মোহিনী মহা দুৰে দ্বী ্ইয়া কহিলে ওছে প্রাণকাম এপোণ তোলায় না ছেয়ে परम श्रीम जिल्लामा अरब ट्यामाय मर्मन कहिट्यर आधार ালকে প্রান্থ ইহা শুনিয়া কোটাল বাসু কটিলেন ভূমি ীনামার জন্যে ভেবেছ, আমি বারাম, বারাম, আমবা-ান, জলের গাটে, ট্প। ইছার ভাৎপর্য) ঐ নৱ সুবর্তী थल विकासिक जायम कविका महावित्र एटि बाज मार्ब्स्स ্রিনে ছিল তথন ঐ ফোরাল রাত্ব ভরিকটত্ব আমো-ানেত মধ্যে অঞ্জ তেখে থাকিয়া নীর মধ্যে এক লেট্ নিক্ষেপ করিয়াছিল। এই রূপ বিবিধ লাশোভরে হান্য ্লে রতি কৌশলে যামিনী প্রভাত হইল ও প্রিরাম াৰুৱ সেই পৰ্যান্ত ৰাটী হাওয়া ক্লান্ত বহিল। ক্ৰমে নিভাং নিভ; শেবার উভয়ে নিযুক্ত হইল। অন্তর মোহিনীর স্থানী সাগু পুজ রূপগর দাসী কর্ক অপনা নত অভিযানে কেশ শূরা মন্তকে বাগাজাদন প্রদের এর্থাৎ নেড়া যাথায় চাদর বান্ধিয়া ধিকিং চলিভেছে ন এবং রুমবর্তী কর্তৃ ক্রন্সভ যে বঞ্জবালি পরিতার। ইত্যা-भ भाक लोका मन्तर किंछ, कति एटर निवात मान न मध्य গ্য নিকটয় হইয়া ভাহাদের হাস্য পরিহাস্যাদির হাহা

কর অনিয়া বিশ্বয়াপর হইরা, ধরাক্ষ্, ব্লাবে দৃষ্টিপথে করত ক্রোধে গরং থরং কমিত করেবর হইরা অটিছে বাটাতে প্রবেশ করিয়া গৃহের বার খোলা, পৃহের হার খোলা, এই বাক্য প্রয়োগে মস্তকে হস্ত দিয়া বদিলেন এবং ভাবিলেন যে রাজ্কনা) যে মন্তরাণি পরিভাজানি দি শ্লোক পাঠ করিয়াছিলেন ভাষার ফল আমি পৃত্যাক্ষ্ কাই পাইলাম। হায়ং ভামার ভার্যা জতি থৈব্যান্তি ছিল কেবল আমার পাপেই পিয়া পালিনা হইল। আহা আমি কি কুলালার জ্বিয়াছিলাম কুলালার করি লাম এইকপ বছবিগ খেদোকিতে কভলত দীর্ঘ শাস পরিভাগি পুরন্ধের অলার সংসারে গরাঙা খু ছইরা দ্ধী বং আপনাকে মানিয়া হে প্রমেশ্বর জ্বাণিপ্র গ্রহার্থ গুনাথ দীন হীনে রক্ষাংকুক্ত রক্ষাংকুক্ত ইভাদি দৃষ্ট গানে বনগানা হইয়া গাসু সঙ্গ লইলেন।।

নাপু সুভের সাধুসন্ধ বাতীত উপরোক্ত সমাক্ বৃত্তা ভের তাৎপর্যা এই যে পরক্রীতে আগজ্ঞ হইলে স্বস্ত্রীতে পর পুক্ষ ভোগ করে আর পর পুক্রষে স্থীন্ননের অভি পুঁতি হয় এতাবলাল্প স্থী সনিধে পুন্তার করিলে স্থীগতের কুলাচার অভিক্রম করেন অর্থাৎ কুপথগামিনী হলে আর ক্রীরত্ব বিদ্যারত্বৎ অভি যতে রাখিবেন যেহেল বিদ্যা প্রাক্ষর বাতিতে প্রক্ষরাখিলে বিপক্ষরৎ হয়েন

প্রনম্ভর ঐ সভদাগরের ত্রী উপপতি সহিত অতি
নিদ্ধতিক মদনোৎসবে শাকিলেন পরে একদা ঐ পুদিভান হোছিন্তির গলদেশে হস্ত সংশাপু পুরংসর কহিলেন
যে প্রাণ আন্ত সোরে পিঠে খেডে বড় ইছা গেছে
গোহিনা কহিলেন স্পা তার চিন্তা কি এক্টাৰ পুস্তুত করি

ूरा विभाग पूर्व एखुलापि हुन कतिशी मक हाडेनी লী আলি সম্ভলি অর্থাৎ আস্কে ও গোধুমাদি গুডাকে ্বৰাৎ ময়দ। প্ৰভৃতিতে পুৱী কচুৱী পুল অৰ্থাৎ লুচি ট তাদি বিবিধ পিষ্টক পাকান্তে পাত্র পূর্ব করিয়া এ কোটাল পুল বাৰ্কে ভোজনাৰ্থে সাদ্য পুরঃসর সভো ন্করিভেছেন। এলোছে এলে। বলিও বর্ণচোৱা .মনোচোর। এসোনা শুনিতে কি পাওনা। ইত্যুক্তি ক্রন্ত ाज नृष्टिद्रीय रातृ कांख्याप्त खझ हेवर हवार बनार ामानिस्स द्रिके<mark>णा क्रिस्स्स । ८४ ८६१८क समि ८</mark>५।डी - (भग्न । शोशाल विलया मुद्दे शिष्टा धार्वि । स्मिकिती ंशिलम हि हि लीन अवशोल उट्या आमार चारि ্ভাষায় ভাৰৰ খাওয়াই ইড়াজে গে নহল ম্বা পাল वता छाहा इटम लहेशा थुमिताम बातूद तपन वामिन তরিয়া গ্রাসাপণ কচিবা মাত্র থুদিরাম রাম্ব শকে ১ খু ারিয়া ফেলিয়া কছিল। যা যা যা: ভূই कি পেলের भिक्ति शास्त्राम् विदयंत भरस वैगोरख•कना साहि ना दगारम्ह लास्यत कारहा शिष्ठी गड़ा नित्य खाम्रात ला। , লংকের বৌকে **জানিস্তে। সেই** চিনিবাসের মা, যায় ्रभुष्टे तीम प्रार्थ कारहरू वायुष्यत स्मरहाह। धनारे करह শাসার শিল্য যায়।মোহিনী এৎকল উক্তি শুনিয়া ঘৃডাক্ত ্তাত যে দকল পিউক ভাহা থালা ভরিয়া খুদিরাম তারুৱ সমূপে রাশিয়া কছিল। এইবার খাও দেখি প্রাণ। পুনি াম বাবু কছিলেন মোকে তুলেং দে মুই হাঁ করি কৈছ 🖹 ভোর কোন্দে সুয়ে গাবে। লাছ। ডাই ভাল বলিয়া মাছিনী ঐ কোটাল পূত্ৰকে জোলে দোযাইয়া পিউক

খাওয়াইতত লাগিল। পরে কোটাল বাবুরসিকতা করি, (अम । काक्ष पुष्ट (शन शत्नाचाद Cकारण क्षा Grice মে: ইনী,কহিংলেন ছিছি আল অন্ন কথা কি বলিতে আছে খুদিরাম কহিল ভূই বড় গানিদ লাল মানুষেরা ঠাঞ্ क्षित्र करि करिन सहेदन है। छै। छोर मा कदत मा, द्यांसाः মুশ্ছ হেমন শুলু পোরান, পোরান, পোরান। এই কপ रंग ভাষে जूक्षा नात्म शिक्षेक पुरुषम क्विंग्र: बाँ। क्यानाहरू পত্যক্ষাপরি উগবিদ্য প্রংসর কামদেবের ছথের ধূমে १८६ ४८६ वोल ६६८९ मिथु। इहेल्सा शह्य वक्तः हिर চলনে শ্রুরে প্রেনের গ্রুমভিতির গুরুতর গু.সা প্রাযুভ খুদিরাম বাবুফে মেছিনী কছিলেন যে প্রাণ শ্রা আল रा ा छात्र राष्ट्र दिस्स व्याहा त्याव श्राह एम्बिटए हि होते। ज्याशकि श्रीवृद्धाम वात् कहिरनम छात्र किन्न वि তহয় উপর চল। মেটেনী বহিলেন ছাতে যাইবার िए गई दि अकारन हाटच राहेर**छ शांति। ५** मि तर ্তিলেন আছে। ধ্বামি কিঞ্জির করিতেছি। ইত্যাং রুজ সংসোধে এক ফিছা বপণ করিয়া অবাহ শিক্ত প্ৰি: অসু র্মণ্ডিক ভাষাতে বসাইয়া আপ্ৰি কো-हिल्हा हा मार्गिणति आरहोडवल्कंक हेळ लिल। महा ্যারিনাতে উত্তোলন করিয়া আন্দেশ রতি বিহাদে প্রবর্ত হইলেন। পরে অবরোহণ কালীন ভারপ্রস্থ উজ গুতি যুক্তন, হটয়া খুদিরাম বারু পুত্ গতিং करण कर्क प्रिकृत निरमु आसिया कश्चित । दिश्व कि তুরি, এই শিকারীতে বংসা আমি নীচেয়া থেকে। শিকে ्रिश्वित होति सा रेनटश खांत खाना छेलाए मारे মোহিলা কহিলেন সেকি পাণ ইহাতে যে প্রাণ হাং

गठा व नुशानिका

শ। পুদিরাম বাবু কহিলেন দুর তৃই বড় কানিস দতি পা করুপাতকোয়ার ঘটি ভোলা হয় আরে এ কর্মা।

নে না নেং শিকের লাপ। মোহিনী এমন কপ কোটা।

নে বাক্যে ধিশ্বন্য হইয়া মহজ্ঞাহ শিক্ষারোহণ করি ও
কলাহ ধরাভাগে পভীত নাতে সুম, শাহের ভাবনে

ন করিলেন। ও ইহা জনকাতি বারা ভানতে বাক
কর্মান বাবুর প্রানাত ইইল। অনক্রে ফাকাশ

নি ইল মেমন কর্ম তেমন কল অবশ্যই বে ও
বিনেন। ভগীতে

(आक्र)

্ত্রনির মৈ স্থিতিমার ক্রিভিঃ পরিক সি, ভিন ন ক্রিড়ে কাইট পাপ পরে। রি ইছর ক্রি মুল্ট । ভাষা। প্রভিত কর্কি ভাছ, ক্রিড়ে গড়েছি হিলে । পোকি প্রেডিটা ক্রিডিটা ফ্রেড ভাষা বিন সি লিক । ভিন প্রেক বা ভিন্মানে অ্থিত ভিন ব্যাহর্ডটা প্রাক্তিয়া।

> গাঁত। রাগিনা (১ বিটা , ভাল ১১কং। রমণী রমণে যদি এত স্যতন , এনং । চেতন অপা এমণীরে কর অংশিজন।

কানিনা বক্ষত ফলে, শইবারে করওলে, সদ, তাস গাদভলে, কেনরে লুগুন। ও) গরে বিফল ফলে, লোভি। গেরে চারি ফলে, চলরে সলস দলে, করিতে রুমণ।

বিচ্ছেদের অধাকারে, কিব্লুগ প্রেমকতে, কেন ছাত্র ারেই, হও জ্বালাভন। ভাই োরে গলি আমি, সেই কানে হও প্রেমী, বিচ্ছেদের ছেন্দ্র হয় সংক্রিক।।

শীলকান্ত রুসরভীর তত্ত্বানের তত্ত্বে প্রবর্জ। नमा। बर्धात्व बोलकान्छ श्रीय तारका तमव्ही महिल काल याशन कत्र अकता दुखनी त्यात्व श्रवादा नगछि ব্যাহারে বিহারাথে বাটীর পার্যবন্ধী কুনমাটবীতে খু গত হইলেন ৷ পরে তথা মন্দং মারুৎ আলিলনে ৷ বিবিধ প্<mark>ষেপর গছে ও নানা জাতি পলির</mark> ধুনিতে 🤞 দ্পাকরের সুধাসিক জ্যোতিতে উভয়ে ফ্লখনুর শরা প্রার ছইয়া রতি প্রভৃতি বিবিধ ক্রিয়ায় মনোভিনিবেণ करल नोक्तकारू श्रीष्ट (क्षेत्रमी खिंछ क्षेत्र कहात कहिलन দে হে পিনন্তনি নিয়লক দুচার চক্রমুখি এই ধর্মাল মাংশাবে মানবগণের জন্ম গুছুৰ করিয়া **ক**র্ত্তব্য <mark>কি ভা</mark>ছ शायाद अकाम कतिया कर एमथि। तमवेखी कहिरलः ऽह अभागाथ जाशनात जाशनशङ्ख्य छन्गृह्छ ० অবিনীর হজাপ শিক্ষা ওজাপান্সারে নিবেদন করিতে ছি: । হ প্রিয় ছে কান্ত শূরণে শূরণপাত করুণ। মান। जरनंद कलंदा अहे (य अधरम विमाधासिम कविप হিতায়ে ধনভেনি করিবেক, তৃ**তীয়ে সেই** ধ**ন স্থা**রা ধ্য बंग क्रियान हेशाय छड़ार्थ छड़र्वन बाख भन्नमाध्यार পরম পুরুষ পর' ২পর পরমেশ্বর লভা করিতে পাা. বেন ইহার বিপরীত হ**ইলে বিপরীত হ**ওনের সন্তাবন_্

ভথাচোক। শ্লোক।
প্রথমে নাজিওং বিদ্যা দ্বিতারে নাজিওং ধন
ত্তীয়ে নাজিওং পুরা চতুর্থে কিং করিবাতি।।
এতজ্ঞপে দম্ভির বিবিধ প্রকার প্রশোলর ছইন
থাকিল পরে দেই উদ্যানের প্রাস্তভারে কোন পর

দৈর বজুতা উহারা শুরণ করিয়া তহপথ গ্রনেজ্ক ্যা কাল যাপনে নৈপুণা চইলেন: পের্মহংসের বজুতা যাহা দ্যাতিব: শুরণ করিজ।

সা'য় ডঙ্

ত্রিপাদী। জীব ভব ফিবা শ্রম, কর কিবা পারিশাঃ নব বিক্রম বরিয়াছ। ক্রমেই তব ক্রে, গালে কাল র ক্রমে, ভারোপায় কিবা করিয়াত । পরিজনগণ अतिहास क्रियुक्तः अतिवास आहि अतिहरितः েই মত ছবি, জানমগ্ৰয় ছবি, ভার চিকাকে লইb ति ।। करव विष्ठद्युत शक्त, विसन्न कतिया शक्त γন ১৫৬ছ ধন ধরে। অস্কলে দিবকের, ভথন ধি टाकर, विटाकर सम्बद्धां करते । हो साहादहरू छत्, েডেকে জনরব, আযুর্বারি পোকে এড় করি 🗀 জল । इत्रांगण, देहल (यस महागर, लंदन मारा) आप मील বার বিবা চতুদলৈ অত্€িনছসুদল, বমল शृंदित मध शादत । कमल छहेरल कार ३ म कि कामगत् . इएरमद विद्रास भ्रम भारत । फाएकद केस फीर. ্রপি হারে শর্জাত, ছাচেড্নে সচেড্ন করু 💎 চৈত্র, চাল হৈছে, ষড় করি কাওলেনে সাবিতে নাড়িবে उठकते। उँवक द्येश प्रस्कः, भ्रम्भ एव श्रमः, 'ন পক্ষে সদিন ঘটিরে। মায়া জাল করি ছিল, টেনিন রে ভিম্ব, সদানকে ফেলা আর্ডিবে।। কুপ পুর বি কলে, কেমেতে সহসুদলে, হংস লিয়া হইবে প্রবে-(महेकारण प्रति ভाরে, রা**বি**ছা মনি মন্দিরে, দিন ংগ ভারিবে দিনেশ।। ষড়চক্র করি ভেদ, যড়চঞে (सम. जारमण खानांश वर्ष कतः। अप[.] नात्रव प्रश्चात

করারে নিদিখাবন, নিভাই অনুষ্ঠানে রও।। অধী এই দংগরে, দার মাত সারাৎদার, পরাৎপর যিঃ হন নি ।। থাকিয়া অতি নির্ত্তনে, ভাব সেই নিরাঞ্জ পত্য ^হহতে পাবে সভাই॥ বেদাদি ষড় দ^শনে, র ार्ध् धानुष्ठात, बन्ता विष्कृ खानि यत मुनि। रू সদা ভব চিছে, ভাবিয়া একান্ত চিন্তে, অচিমিত ছ চিত্তামলি : গানাডীত জানাডীত, বৰ্ণাডীত শলাডীৰ রশাতীত আদি দু<mark>টাভাত। ভথাচ যে বর্</mark>ষার জ্মক্রতি ধক ব্যাপী, অন্তি বাক্যে জ্বলত প্রতীত हहेर विदेवक मास्ति, तकन कर नासिश, खासि वन ना are कर मुक्कन शांकन कहा, गोहात देखाय हरा. ि কার নিতা শেই বিভ্.। উদ্ভিত্ন। আর স্বেদজ, অল च्या तन्त्र, एउत्रात कर्या चरुकता मनुकार ু লকে, গুড়ি কৰে পদুরকে, চেড্ন চইটে সচেড্ন কড় দকাৰ উদ্ভিত্য, চেতন ছইতে ৰীয়া, তথাত গা বিছান ছন : ডক্ৰেপ নাস্তিক গণ, গতিছীন হৈছে রন, 🛵 । ভন ল' কৈওে ক্রেডন।। আডএর চার বাক, কেবল অ-ত্তা, বাক ধতে **অবাকে কি ফল। তাজ রুদ্দ নি**রান

া হৈ স্কৃতিদানক, কেন কাল ছবিছ বিফল। 'জু আহিতায় কান নিৰ্দ্ৰণ কিন্তু তিঞ্জন, সংক্ৰুতে চ্ছু দিতে: সেই প্ৰুষ প্ৰধান, সৰ্ব্ব জীবের নিধান, বি কিলো বেদাদিতে। যদি ভাব সেইজন, চভুভুত নাই য়ান কিয়া তিনি সভা কিয়া তিনি সভা কিয়া তিনি সভা কিয়া তিনি সভানা কিয়া তিনি সভালান কিয়া তিনি সভালান নিৰ্দ্ৰ লাকি ভূজ, কিয়া তিনি ভ্ৰা ভূজ, কিয়া তিনি ভাই ভূজ, কিয়া তিনি ভাই ভূজ, কিয়া তিনি দশ্

किया जिमि खरीपम जुजा।। किया जिमि जनाकात, কিয়া অগ্রি অবভার, কিয়া বায়্ঃ কিয়াই বা ধন। কিরা তিনি জ্যোতিম্ব, किश कान्ने লোট হয়, किश नीन। স্থারর জন্ম।। তবে শুন প্রত্যুত্তর, ইডাদি হইলে পর, নিত।ত্ব থাকেনা, দেই নিতে।। সাকার হইলে কায়, অবশ্য নালেরে পায়, বিনাশ বভায় তবে সভো।। অভএব এ वक्त, खास्त्र इस्ति प्रभान, कारोग नार्याद नाम नाम কেন্ছও জান হন্তা, কেশেতে ধরে নিয়ন্তা, মনে কর উক্ত ीमार मारा : जात है श्व कत बेका, मनय बाहरत तकः, मोमाः भाग व्यक्ति विषक्षत । याद्य व्यापा अस्तितन, स्माद्य ছিল আশ্বসন, ভার সেই মীমাংসা একব।। ছাড়u बाटक्ष्म, खाक्कर अविदल्ला, देवताचा दल्दल खाल्य खल्। শৃণিবে সর্ব্ধ দিশ্রি, আউতে ১হবে ল্লিক, কেন মায়া ग्राप्त प्रकार छ।। । छ। व । य भारा थ भार, व्यवमा भारत শ্রেদ, গোজ্পদ ভবের দিক্ষ_্ হবে•া নিঞ্ছ কালের গঢ় विश्वत ६६व मध्यम्, शह्म २ (भाकः अन् नाट ।। अनुव भव्यान्यस्म, भारित्म भव्यानस्म, जस्र घट हर्डे द्वात केट. ° অলান ডিমির পাশ, অচিরে হইবে নাশ, প্রকাশ হইকো छ। मध्य । व्यक्तिय मस्यक्ति, डात त्मरे निवास्त्र, आफ्र अस्कीन विनि धन। शांत कृषावाद्याकान, क.होपि सन्धा शतन, आकात विदादि मत्य तन् ॥ तन्यम् अछि कः शिरन, প্রাণী প্রাণির জঠবে, পায়ে কও ছঠর হল্প। ভাষি সেই নিরাপ্রন, দেখে এই ত্রিভূবন, ক্রামে হয় ম'য়া সংঘটনা ৷ নির্নিত আগ্র বল, প্রতিক্ষণ হয় হত, स्त्राष्ट्र वटल देशन अन् आहु। मूट्य रक्ष्म मिन मिन, नाहि ভাবে সেই দিন, যে দিনে পলাবে প্রাণবার ।। ছেরিয়ে

খায় লাবণ্য, যমে ভাবে আমি ধন্য, মান্য গণ্য ছঞ नर्वकान। किन्छ ट्यादि (इति देएना, बाहात ट्यायाह, क्रमा. द्यांशीन गर्सना त्महे अन ॥ शद्द विद्रश मानिए ै ক্রমে করে জঞ্জাক্ষিত, কিবা ভাঁর আশ্চর্য্য ব্যাপার। ्रम्थ र मर्वेत खाली, कृषिके न। देहां खाली, श्राहाधात त्थात आरहाभाता। कात तम्थ मकर, कक्त कहेत वक्क, ভাছে পুनः माथा (प्रया याग्ना क्राम्य हेर्द्य মুক্ল, কড শত ধরে ফুল, পরে ফল ফলে মড ডায় 🖰 পারে দেই প্রতি ফল, পাইবারে প্রতি ফল, অফুর করয়ে উৎপাদন। *এইক*প ফের ফার, কপায় *হ*েছে ांतः त्यहे अम अगुष्ठ कांत्रण।। श्वामि कति श्वामि **रहे**, এটা বা'কে; হাই২, করে তেন লভিত্ন থক্তণ। লয়ে কেছেব[†] বিধান আপ্ৰাধে যন্ত জান, করে সেই ছারিবে ভাব-मा । शामि पर्य कर महन, आयात निरश्त विहन, क्रिका बाहि इत्र नगामन : किन्नु उद्ध मा। मन, या उद निरम्नी कर, युक्ति गान जांद खानुष्ठव ।। कम बादि ममसाय, ্ষের। ভাবে ভাবে ভাবে জভাব হৈতেছ কেন ভাবে। बाद्यक्ष अविवास कड वा खिल्ह भारत, एतु विजन ভকু বাহি পাবে । পরি **হর** অইস্কার, ভেবে দেখ_ে কেবা কার, জোগা হৈছে এশে কোথা যায়। হইয়ে ঘাষায় বন্ধ, সকলের হয় বাগে, অনশেষে কালিয়া কালা-य । एसथ रमञ्जे किया काल, रघकाः न धिरिय काल, उथम কিকাল ব্যাজ সংব। পড়িয়া **থাকিবে সব.** পড়িয়া থাকিবে শব, তাজিবেক আন্ম বন্ধ শবে।। যখন আদিবে ভার', কোগায় থাকিবে ভারা, যারা তব অভি প্রিয় ভর 🕝 হইবেরে ভারা হারা, ভারায় মিশাবে ভাব

সাই বলি ভার চিন্তাকর।। যথা বৃদ্ধি তথা ছান, ক্ষি-🗫 অসশ। নাশ, কভু মহে বিনাশ বর্তিত। ক্রণ ভদ্ধ ারন, প্র পাত্রের জাবন, জাবনের বিধু প্রায় স্থিত।। ়বৈরে অন্থিত দেহ, স্থিতা স্থিত কল্প দেহ, পাথেয় রুরে উপস্থিত। যেতে হরে শেই গ্রাম, যে গ্রামে 'त्रम शास, टेक्टव घटन क शुम दक्षिण ॥ अख्याव लाव-ান, যাজক্ষণ আছে জ্ঞান, করং বৈরাগ। অভ্যাদ। বিনে । नदाधमन मेश मुणी श्रद मन, एडड मग्न स्थाह खेल-াস চ যদি এই উপদেশ, মনেতে করিরা দ্বেষ, াকেন্দ্র আদেশ লাছিবে। ছবে কট নানা রূপ, স্ত্রী ার শুন রূপ, জোন স্থানে নিস্তার না পাবে ৷৷ দেশ हे समीवति, कार्यु देवसा जिल्लाविर, काश्कास्त्र भविन দি কলে - ভুন নায় সর্বোপত্তি, হইন্মে শূর্যার অতি, গতি क्ष करणाकाकाम् ॥ भारत दल्य भगवाति, खनसृह्हेत्य ाहि, वर्क्स क्रिन करिया । भारत सुम क खिल्ला, জ্ঞায় পলাবে যান,শবোৰর নীরে ধিরেইন আশুহ পারে দক হইল পদা কোরক, ডথায় দেখতে চমৎকার। । ध ट्याटन मिदाकत, क्षाकानिशः १तकः, रुपय विमीर्गः ात कात ।। ভাতে পদ দৰ্শগারি, মৃতকের মৃতি বরি। , कर्ष्ट्र ग्रह अंखर करह[े]। भूक्षत रम्भावित, **स्न, भरन क्रिल** ভন্ন, আর থকে। নছে সরোবরে।। অতি নীচ জলা-'र, मोरफ्त ब्रह्म अ^{श्}न्य, स्निक करत (छक नक्कन) मीफ ান হৈলে বাস, অবশা ভত্তত্ব নাশ, উক্ত আছে পণ্ডিড খন।। অতএব নীচাশুর, পরিত)গে যোগ্য হয়, উপ ভ উচ্চের আশ্য়। এতেক ভাবি অচিরে, আরোহিয়া ি শিরে, স্তনকৃত্তকরি কুন্তু হয়। কিন্তু তথা সেই

मुर्खाः अवालिशा श्रीष्ठ वीर्धाः, कत्रि कूहकदत जानाएन পর্ণহারি প্ররায়, ছস্তিপান হৈছে তায়, কল্প প্রহাল महिकाण ।। कति निषद कोशांटन, टेब्ट्स छाविटलन सुर श्रास्त । विव किथिया। स्थान भाग किति, महार अस्त অবি, পান্ত হেরি অনুপায়।। এত ভাবি কুচবু, Ulका कहि कवि कृष्ठ, मोदी तत्कः कविक भयम । कर्षः भक्त कर, देशक (माडे भिताकर, श्वारी **छाटा क**र्द्य अस ন। দপ্রারি পানধার, হৈছে অবোধ কুলার भ भ ने कत्रार महा प्रस्त । खर्भद कितिदा माहि निस्तात, धारमा स्टापित खामा धारत ভাই বলি ডঃজ বন্ধ, করং সাধুপদ্ধ, অনিকাচনীয় ব हित्स । जन्दा र मिन मिन, जिल्हा छ इटेल लीन, जर নিঠাণ ছৈতে অন্তেট প্ৰচ এই ভবে, আহ ম' অ'টিচ इत्तर आह मा कहित्छ इत्तर प्रमा आह मा शांकित कर আরু না থাতিবে ব্রাস, আরু না থাকিবে নিরানক कार मा थाकित वाम, जात मा शांकित याम, जात श्रीकित्व राष्ट्रशाद । आह ना श्रीकित्व दलम, आह স্বাকিষে শ্লেষ, আর না থাকিষে পারাপার॥। আরে धाकिटर जास, जांत्र मा शांकित मांत्र, जांत्र मा शांति मार्गमन । चाह न धाकित्व त्याक, चाव न धा र क्का छ, खादि म: थे[†] किरव छल्। छल्। छातमा मिकि ছবে, অবশ্য নিশিদ্ভ পাবে, চিদুং হৈয়ে একটি কেন কালের অধীন, হৈয়ে ভাব দিন দিন, করং ধা নের তকু।

গতি। রাগিনী পুরট যোলার। তাল ধিমে তেতালা অধানে থাকিবে কড জার। মনঃ জামার।। 🦡 কন্ত কর দিতে রাজে কাজ। ভরে সাধান হইছে। সাধ ান নাকি ভোষার দ

চলামন বিধোকতে করে দেনপারি। সমর ভারজে গুলিমানজে সংগ্ সংজি। একে বিশুজ্বশ সুলন সঞ্জি। ভারতের জিলেকাজা নিজ অর্থারে।

য় জ' দু,জানি। বাজপেষ্ব'। ভাপা হড ১৯৮২ স(সংহ নিজিছতন), ভাব এফেই নিজিকার নিক্রি ২ ১ নিজন্মন।

্ত ও শুস্ক ওলম্ম, জন্ত জেনে তেনি সমূদ্য, আকেঃ ১০ ওল্ডাদ্য, এচেড্য কর চেড্ডান্ড

र्शकिया प्रमाद .



শুদ্দি পত্র।

		•	
পত্ত।	पर्कि ।	ख्यद्यः!	& & +
\$ \$	38	নিস্থারণ	্নিঃস্রধ্
7 36	494	विशारम	ति शास
(- 4)	t in	अतारम	ध नाम
3.5	3.5	करणेत	करष्टत
. ज	33	जर छ एङ.	সচে ভন
3.7	4 ,	বিন্ধ	fan
र् २	l.	উক্পরে	উৱপবে
> 9	;	অল্ছ সঞ্	অন্থ্ৰমূদ্
)	ک ک	করিয়া	क इ न्द्रा
ζ,	4.3	ड िया म	क्षेट्र हैं।
20	,€,	12 1 12 Nov	सरश्
` t~		ទា រ	ศร
એ٠.	. 4	दिकल	बित्य व
4.5	5	SEL POLIT	क्षा को इस दे।
* 1	33	সংগভাবে	नहां जादन
82	4.7	ভা সঞ্জ দ্ভি	यमभ कि
14	1.4	श्रुवन्त्र "	अंभि
41 64.		ङ ्ग भ '	61
٠,	′ 37	শ্ৰন্	म स्प
· .	3:	नग्रमान्दल	े नेश्वनी दश्च
** .**	3	পরাবাব	পারাবার
.*	۶٤	नग्	শয়
	5 4	পল্স	लहर
			1)

स्मि शब ।

পত্র। পংক্ষি।

ত বিছ

রিঞ্জ স্থামদ বৃত্ত, মগমদে করি ও্রু। ব্যাল করলো রসবভান

> ্দুন্টিনিষ দ্বিয়ে প্রিয়ে, করাও ছে বিসাপ্রিয়ে, নেত্রের বিকার বৃদ্ধি অভি :

哲斯!

কেন্দ্ৰত বলে ঘৰ মাল মালে কারে জানু, রুণান কবলো চুস্বভা

পুনপ্টি জেছ আংগ, করি আনি বিচ পার্ নেজের হিকার বৃদ্ধি আভি গ